लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार, 04 अक्टूबर, 2024
वर्ष : 10 | अंक: 84
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हम ही हैं जो अपनी आंखों पर हांथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। -स्वामी विवेकानंद

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi
NIGHT 27° Low

संक्षेप

UN और ईरान का साथ देने वालों पर भड़का इजराइली अधिकारी, भारत से रहा है खास नाता

वॉशिंगटन। ईरान और इजराइल के बीच तनाव चरम पर है। दोनों देशों में वार-पलटवार का दौर चल रहा है। इस बीच, भारत में इजराइल के पूर्व राजदूत डैनियल कार्मन ने भारत को लेकर बयान दिया है। उन्होंने बताया कि भारत इजराइल के लिए कितना महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने ये बताया कि 1 अक्टूबर को ईरान के हमले के वक्त इजराइल में क्या माहौल था। डैनियल कार्मन ने कहा कि भारत इजराइल का रणनीतिक साझेदार है। भारत के साथ हमारे अच्छे द्विपक्षीय संबंध हैं। पूर्व राजदूत ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत को स्थिति का बहुत बारीकी से पालन करना चाहिए, क्योंकि यह भारत के साथ भी जुड़ा हुआ है। भारत खाड़ी देशों के बहुत करीब है, बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी है। डैनियल कार्मन ने आगे कहा, 'संयुक्त राष्ट्र हमारे क्षेत्रों में बहुत सक्रिय है, खासकर गाजा और वेस्ट बैंक में। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने एक पक्ष लिया है। हमें लगता है सदस्य देश होने के नाते ये सही नहीं है। वो उचित तरीके से काम नहीं कर रहा है। मुझे महासचिव द्वारा गाजा में मानवीय स्थिति का मुद्दा उठाने से कोई समस्या नहीं है। उन्हें यह करना चाहिए, यह उनका काम है, वह इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते, वह कोई घोषणा नहीं कर सकते और 1 अक्टूबर को भयानक हमले में ईरान का उल्लेख करना नहीं भूल सकते। उन्हें बहुत सतर्क और राजनीतिक रूप से सही होने की आवश्यकता है। हम उनसे निराश हैं।' डैनियल कार्मन के मुताबिक, इजराइल को सात मोर्चों का सामना करना पड़ रहा है ।

मिसाइल दागने के बाद ईरान ठोक रहा सीना, उधर इजराइल ने 24 घंटे के अंदर ही लेबनान का किया बुरा हाल

यरुशलम। इजराइल ने ईरान के हमले का बदला लेना शुरू कर दिया है। उसने लेबनान और सीरिया में स्ट्राइक की है। इजराइल ने ये हमला लेबनान की राजधानी बेरूत और सीरिया की राजधानी दमिश्क में किया है। बेरूत में पिछले 24 घंटे में हुई इजराइल की कार्रवाई में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है तो दमिश्क के हमले में उसने हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के दामाद को मार गिराया है। इस हमले में अमेरिका के भी एक नागरिक की मौत हुई है। 1 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने के बाद ईरान अपना सीना ठोक रहा था। इसके बाद से ही पूरी दुनिया की नजर इजराइल के अगल कदम पर थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मारे हए नसरल्लाह के दामाद का नाम हसन जाफर अल-कासिर है। हालांकि हिजबुल्लाह ने अभी तक उसके मारे जाने की पुष्टि नहीं की है। वहीं, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने उत्तरी इजराइल में बेत हिलेल के ऊपर उड़ान भर रहे एक इजराइली सैन्य हेलीकॉप्टर पर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं, जिससे उसे पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। इससे पहले बुधवार को लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में आठ इजराइली सैनिक मारे गए थे। इजराइली सेना ने कहा कि दो अलग-अलग हमलों में सैनिक मारे गए।

सीएम योगी ने हरियाणा की बताई नई परिभाषा, विपक्ष पर साधा निशाना, बोले-

कांग्रेस का हाथमाफिया के साथ: योगी आदित्यनाथ

कुरुक्षेत्र। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठ फैलाया था कि फिर से भाजपा सरकार बनी तो संविधान व आरक्षण समाप्त कर देगी। उन्होंने यह भी कहा था कि हर गरीब को एक लाख रुपये देंगे। कांग्रेस से पूछिए कि उनका 'खटाखट-खटाखट' कहां है। खटाखट-खटाखट कहने वाले राहुल गांधी मैदान छोड़कर सफाचट हो चुके हैं। कांग्रेस ने खटाखट के जरिए केवल झूठे वायदे किए, क्योंकि इन्होंने देश को सफाचट किया था।

समाज को जाति, क्षेत्र, भाषा, मत-मजहब के नाम पर बांटना कांग्रेस के डीएनए का पार्ट है, जिससे देश को कमजोर किया जा सके। देश कमजोर होगा तो सनातन कमजोर होगा। सनातन कमजोर होगा तो वर्तमान असुरक्षित और भावी पीढ़ी का भविष्य खराब होगा। कांग्रेस साजिश करने के लिए एड़ी-चोटी लगाती है, इसलिए कोई भी ईमानदार, सभ्य, विकास व सुरक्षा का आग्रही व्यक्ति उनके साथ खड़ा नहीं होता है।

सीएम योगी प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को हरियाणा के चुनावी रण में उतरे। सभी को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने यहां तीन जनसभा की। शाहबाद से भाजपा उम्मीदवार सुभाष कलसाना, कलायत से विधायक व प्रत्याशी कमलेश ढांडा और सफीदों से रामकुमार गौतम के लिए वोट मांगा।

जल्द ही मुंबई बैठक के लिए तारीख की घोषणा की जाएगी: खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सभी 26 पार्टियों के साथ मिलकर हमने इस गठबंधन को इंडियन नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस (INDIA) नाम दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि हम महाराष्ट्र, मुंबई में फिर मिलने जा रहे हैं। वहां हम समन्वयकों के नाम पर चर्चा करेंगे और उनके नाम का एलान करेंगे। जल्द ही मुंबई बैठक के लिए तारीख की घोषणा की जाएगी।

सीएम योगी ने कुरुक्षेत्र की पावन धरती की महत्ता बताते हुए इसे युद्ध क्षेत्र होने के साथ धर्म क्षेत्र भी कहा।

कांग्रेस का हाथ, माफिया के साथ

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का हाथ ड्रग, भूमाफिया, कैटल, माइनिंग माफिया और दंगाइयों के साथ है। जगतजननी मां भगवती के उपासक समाज का माफिया व देशद्रोही तत्व बालबांका भी नहीं कर सकते। यह चुनाव ऐसे चंड-मुंड व महिषासुर से निपटने के लिए आया है। सीएम योगी ने कहा यूपी में साढ़े सात साल में दंगा नहीं हुआ, लेकिन इसके पहले हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था। महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। हमने दंगा करने और करवाने वालों को चेताया कि ऐसा किया तो उल्टा टांगकर मिर्च का झोंका लगा देंगे। कोई बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ या व्यापारी का अपहरण नहीं कर सकता। किसान की फसल जबरन नहीं काट सकता, नौजवान की नौकरी के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसा करने वालों की सात पीढ़ियों की पूरी संपत्ति लेकर गरीबों में वितरित कर दी जाती है। माफिया का उपचार केवल भाजपा है।

मैं कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा करता हूं, लेकिन कांग्रेसी, आप और इनेलो वाले नहीं कर सकते

सीएम योगी ने कहा कि कैथल, कलायत से लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा के लिए यूपी आते हैं। 2017 के पहले जब तक भाजपा सरकार नहीं थी, वहां कांवड़ यात्रा नहीं निकल पाती थी। जब मेरी सरकार आई तो पूछा। बताया गया कि इससे कुछ लोगों को परेशानी होती है। मैंने कहा कि ऐसे लोग घरों में रहें। बाहर निकलने की क्या जरूरत है, लेकिन कांवड़ यात्रियों के मार्ग में बाधा आई तो कठोरता से कार्रवाई होगी। वहां अच्छी सड़क, बिजली, पंडाल, भंडारे व गर्म पानी व सम्मान की रक्षा होनी चाहिए। कुछ लोगों को डीजे, घंटा-घड़ियाल व शंख से परेशानी होती है। मैंने कहा कि जिन्हें परेशानी है, वे कान बंद कर लें, लेकिन यूपी में धूम धड़ाके से कांवड़ यात्रा निकलेगी। माइक उन स्थलों के बंद होंगे, जहां से चिल्लाहट होती है। प्रतिवर्ष चार करोड़ से अधिक यात्री दुग्धेश्वर नाथ मंदिर गाजियाबाद से हरिद्वार जाते हैं।

भरी अदालत में सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील को क्यों लताड़ा?

'कल आप मेरे घर ही आ जाएंगे, हिम्मत कैसे हुई पूछने की...'

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवीआई चंद्रचूड़ (CJI Chandrachud Angry) ने आज (3 अक्टूबर) एक वकील को फटकार लगाई। जब वकील ने बेंच से कहा कि उसने कोर्ट में लिखे गए आदेश के विवरण के बारे में कोर्ट मास्टर से क्रॉस-चेक किया था। वकील के इस बात पर सीजेआई ने कहा, 'आपने कोर्ट मास्टर से यह पूछने की हिम्मत कैसे की कि मैंने कोर्ट में क्या लिखा? कल आप मेरे ही घर आ जाएंगे और निजी सचिव से पूछेंगे कि मैं क्या कर रहा हूं। वकील अपना सारा विवेक खो चुके हैं या क्या।'

10 नवंबर के रिटायर हो रहें सीजेआई

सीजेआई ने कहा कि भले ही कुछ दिनों के लिए ही सही लेकिन वो अभी भी प्रभारी हैं। ये अजीबोगरीब तरकीबें फिर से न आजमाएं। बता दें कि सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर होने वाले हैं। शीर्ष कानूनी पद के लिए अगले उम्मीदवार न्यायमूर्ति संजीव खन्ना हैं।

वकीलों द्वारा बार-बार तारीख मांगने पर भड़के थे सीजेआई

इससे पहसे सीजेआई ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा था कि विभिन्न वकील एक ही मामले को बार-बार बेंच के सामने लाकर तारीख मांगते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वकील इस तरह की तरकीबें अपनाकर ₹अदालत को बरगलाने₹ में सक्षम नहीं होंगे। सीजेआई ने कहा था कि यह एक नई प्रथा है। अलग-अलग वकील एक ही मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पेश करते हैं और एक बार जज की पलक झपकते ही आपको कोई तारीख मिल जाती है। यह एक ऐसी प्रथा है जो उभर रही है।

बीजेपी और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नूंह में एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर भारत के संविधान को नष्ट करने का आरोप लगाया। रैली में उन्होंने यह भी कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' का उद्देश्य प्रेम और एकता फैलाना और 'नफ़रत का बाज़ार' निकालना है।

'हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहाँ भी भाजपा ने 'नफ़रत का बाज़ार' खोला, हमने 'मोहब्बत की दुकान' खोली। हम प्रेम और एकता की बात करते हैं; वे नफ़रत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं।भाजपा और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं।कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है; दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है,' उन्होंने कहा। उन्होंने कहा, 'भाजपा और आरएसएस नफरत फैलाते हैं। हमें नफरत को मिटाना होगा। लड़ाई प्यार और नफरत के बीच है। हरियाणा में चुनाव लड़ रहे छोटे दल हरियाणा की ए, बी, सी और डी टीम हैं।। कांग्रेस पार्टी को वोट दें और भाजपा को सत्ता से हटा दें।' राहुल गांधी ने बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया

और आरोप लगाया कि पीएम मोदी अरबपतियों के कर्ज माफ कर रहे हैं, लेकिन गरीब किसानों के नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे अपनी समस्याएं मुझसे साझा करना चाहते थे।उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हरियाणा में हमें नौकरी नहीं मिल सकती। हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरी नहीं मिल सकती। वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आए।भाजपा सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है।पीएम मोदी अपने भाषणों में यह नहीं बता सकते कि उन्होंने हरियाणा को बेरोजगारी की सूची में सबसे ऊपर कैसे ला दिया। पीएम मोदी 'अरबपतियों' की सरकार चलाते हैं।'

दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, पराली पर मीटिंग हुई...एक्शन नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि इसने पराली जलाने से रोकने के लिए अपने ही निर्देशों को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया। सीएक्यूएम ने पराली जलाने की घटनाओं के खिलाफ एक भी मुकदमा नहीं चलाया है। न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका ने कहा कि किसी भी कारण से कोई भी सीएक्यूएम के आदेशों के उल्लंघन के लिए लोगों पर मुकदमा नहीं चलाना चाहता। सब जानते हैं कि चर्चा के अलावा कुछ नहीं हो रहा है। यही इसकी कड़वी सच्चाई है।

एसजी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि कृपया इसे 16 तारीख को रखें क्योंकि तब हम हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। रजिस्ट्री भी बंद हो जाएगी। जिस पर जज ने कहा कि ठीक है हम इसे 16 तारीख को रखेंगे। इससे पहले 27 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की निगरानी और प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रहने के लिए केंद्रीय वायु गुणवत्ता पैनल को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से प्रदूषण और पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। न्यायालय ने प्रदूषण और पराली जलाने के मामले से निपटने के लिए गठित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को फटकार लगाते हुए कहा कि उसे और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है।

बिहार में बाढ़ से चिंतित खड़गे, बोले- राहत कार्यों में तेजी लाई जाए, पीएम केयर से प्रभावितों को मिले मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार बाढ़ की भीषण चपेट में है। इससे कम से कम 16 जिले प्रभावित हुए हैं। इसको लेकर सियासत भी हो रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मांग की कि केंद्र और राज्य सरकार को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लानी चाहिए। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि बिहार में बाढ़ का मंज़र भयंकर होता जा रहा है। 17 ज़िलों में क़रीब 15 लाख़ लोग बाढ़ग्रस्त हैं और पिछले कुछ दिनों में कई लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद पीड़ादायक है। पुल टूटे हैं और ख़ासकर उत्तरी बिहार में आपदा के चलते नागरिकों के घर उजड़े हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार से हमारी माँग है कि राहत और बचाव कार्यों में तेज़ी लाई जाए, ताकि पीड़ितों को त्वरित मदद मिल सके। उन्होंने आगे लिखा कि विषम परिस्थितियों में भारतीय वायुसेना, NDRF और SDRF की टीमें जो मदद कर रही है, उनका हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। पर अभी भी राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा हर संभव मदद की बेहद ज़रुरत है। केंद्र सरकार को PMCARES से हर बाढ़ पीड़ित को पर्याप्त मुआवज़ा देना चाहिए और राज्य सरकार की सहायता करनी चाहिए। जिन किसानों की फ़सल बर्बाद हुई है, उन्हें भी मुआवज़ा मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं से अपेक्षा है कि वो पीड़ितों की सेवा के लिए तत्पर रहें।

बिहार में मंगलवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'भयावह' स्थिति का विवरण साझा करेंगे। एक दिन पहले नयी दिल्ली से लौटे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कोसी, गंडक एवं गंगा नदियों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर जायजा लिया और अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाये जाने का निर्देश दिया। पड़ोसी देश नेपाल में भारी वर्षा के कारण 29 सितंबर की सुबह पांच बजे कोसी बैराज, वीरपुर से 6,61,295 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था जो 1968 के बाद सर्वाधिक है।

मोहब्बत की दुकान में अब नशे का सामान...5600 करोड़ की ड्रग्स खुलासे से जुड़ा कांग्रेस नेता का नाम, बीजेपी का अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 हजार करोड़ रुपए के इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट मामले के तार अब कांग्रेस से जुड़ते दिख रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने आज बकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देश की सबसे पुरानी पार्टी पर खूब हमला बोला। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूछा कि आखिर कांग्रेस के इस व्यक्ति के ड्रग सिंडिकेट से क्या रिश्ते हैं? सुधांशु त्रिवेदी ने ये सारी बातें दिल्ली पुलिस की स्पेशल की ओर से किए गए खुलासे के आधार पर लगाए हैं। बीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले दिल्ली पुलिस ने बताया कि इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट में मास्टरमाइंड तुषार गोयल का नाम सामने आया है, जो 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन रह चुका है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता में सीधे सांसद राहुल गांधी पर अटैक किया। बीजेपी के राज्यसभा सांसद ने राहुल को संबोधित करते हुए कहा कि अब लगता है मोहब्बत की दुकान में नफरत के सामान तो मिल ही रहे थे, अब नशे का सामान भी मिलने लगा है। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर इतने बड़े ड्रग सिंडिकेट के खुलासे से तुषार गोयल के क्या संबंध हैं? बीजेपी सांसद ने कहा कि हमारे पास यूथ कांग्रेस के चेयरमैन पद के लिए तुषार गोयल का नियुक्ति पत्र भी है। इस नियुक्ति पत्र में राहुल गांधी और सोनिया गांधी का भी जिक्र है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तुषार गोयल की हरियाणा के कांग्रेस नेता और सांसद दीपेंद्र हुड्डा के साथ भी फोटो है। बीजेपी ने पूछा कि लोगों को जानने का हक है कि तुषार गोयल का आपसे क्या संबंध है? उन्होंने प्रेस वार्ता की मदद से तीन सवाल भी पूछे।भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि हमें कांग्रेस पार्टी, हुड्डा परिवार से जवाब चाहिए।

सवाल1- इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट के भंडाफोड़ के बाद जो इतनी रकम मिली है, क्या कांग्रेस के इस पदाधिकारी तुषार गोयल का इससे संबंध है? अगर हां तो क्यां कांग्रेस के पास पहले भी इससे जुड़े पैसे आ चुके हैं?

सवाल 2- क्या ड्रग का यह पैसा विधानसभा चुनाव के लिए तो नहीं उपयोग में लाया जा रहा था? 5600 करोड़ रुपये का कांग्रेस से क्या संबंध है? क्या कांग्रेस को इस पैसे की जानकारी है?

सवाल 3- क्या कांग्रेस के कुछ नेताओं का ड्रग डीलरों से कोई संबंध है? पार्टी ने इन्हें आश्वासन दिया हो कि हरियाणा में अगर सरकार बनी तो हम इस ड्रग मैनेजमेंट के लिए मार्ग प्रशस्त करेंगे?

देश के युवाओं को सीधे नशे में धकेलने वाले इतने बड़े ड्रग्स कांड के आरोपी, तुषार गोयल, 'इंडियन यूथ कांग्रेस' के RTI सेल के चीफ, के साथ कांग्रेस के आधिकारिक पदाधिकारियों का सीधा संबंध दिखाता है कि अगर इन्हें थोड़ी सी भी शक्ति मिली, तो ये देश को किस गर्त में धकेल देंगे।

नसरुल्लाह के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 8 लोग जेल भेजे गए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जिला अमेठी में हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह के समर्थन में कैंडल मार्च निकालने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। बिना परमिशन के कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन करने वाले आयोजक समेत 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गौरतलब हो, जायस कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कंचाना मोहल्ले में मंगलवार शाम नसरुल्लाह के समर्थन में सैकड़ो लोगों ने कैंडल मार्च निकाला था। इस दौरान इजरायल मुर्दाबाद के नारे भी लगे थे।

दरअसल, अभी हाल में ही इजरायल ने आतंकी संगठन हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह को मौत के घाट उतार दिया था। इस घटना के विरोध में शिया मुसलमानो ने कश्मीर से लेकर लखनऊ तक प्रदर्शन कर अपनी नाराज़गी जाहिर की थी। अमेठी में भी मंगलवार देर शाम बड़ी संख्या में मुसलमानो ने हाथों में हसन नसरुल्लाह का पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

बता दें कि अमेठी में त्योहारों को लेकर धारा 144 लागू है। बिना किसी परमिशन के किसी भी प्रकार के जुलूस या प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक है। इसके बावजूद पुलिस को सूचना दिए बगैर लोगों ने प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलते ही जायस कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। इसके थोड़ी देर बाद पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आयोजक को हिरासत में ले लिया। अमेठी के तिलोई इलाके के क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह का कहना है कि बिना अनुमति के जुलूस निकाला गया था। इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था।

बता दें कि नसरल्लाह को इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शुक्रवार को लेबनान के बेरूत में एक बड़े हवाई हमले में मार गिराया था। शिया प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात हाथों में हसन नसरल्लाह की तस्वीर लेकर नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था।

इन महान विभूतियों के विचारों, आदर्शों, संदेशों, प्रेरणाओ को हम सभी करें आत्मसार: डीएम

» रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को दिलाया सत्यनिष्ठा की शपथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुशीनगर। । 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155 वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 120 वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट पर जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज द्वारा अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा दोनों महान विभूति की चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई इसके उपरांत समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा महात्मा गांधी का प्रसिद्ध भजन रघुपति राघव राजा राम गाया गया। इसके बाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे बारी-बारी से सभी ने अपने विचार रखें।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि दोनों महान विभूतियों के विचार आज भी प्रासंगिक है। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। आधुनिक इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में सबसे ज्यादा किसी के विचारों ने प्रभावित किया तो निश्चित ही ये महान विभूतियां उनमें सम्मिलित है। महात्मा गांधी के जीवन के दो आधार स्तंभ थे पहला सत्याग्रह दूसरा स्वदेशी है। जो विदेशी आक्रांता थे उनसे लड़ने के लिए उन्होंने सत्याग्रह का उपयोग किया। महात्मा गांधी ने कुशीनगर के समीप स्थित चंपारण बिहार से पहले आंदोलन की शुरुआत की। उन्होंने समाज के सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े आदमी को इस आंदोलन से जोड़ा, तत्पश्चात अंग्रेजों के खिलाफ देश के कोने-कोने से प्रत्येक वर्ग से आवाज़ उठने लगी। उन्होंने न सिर्फ स्वदेशी अपितु अहिंसा का मार्ग भी प्रशस्त करते हुए स्वतंत्रता की बात कही। भारतीय स्वावलंबन और राजनैतिक स्वतंत्रता के विचारों से सबको अवगत कराया जो सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ने में सहायक सिद्ध हुई। जिलाधिकारी भारद्वाज ने कहा कि उन सभी महान नायकों को शत शत नमन। जिन्होंने भारतीय संस्कृति, गौरव को स्थापित कर अभिनव भारत के नवनिर्माण व राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने जन कल्याण की भावना से लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना का उद्देश्य अपने मन में स्थापित कर सर्वोदय समाज का निर्माण किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के विचारों, आदर्शों, संदेशों, प्रेरणाओं को हम सब आत्मसात करें, जिससे कि एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण हो सके तथा महात्मा गांधी के स्वच्छता के विचारों को अपनाते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़े। अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कथनों को अपने आचरण में उतरना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महात्मा गांधी के समानता, स्वतंत्रता, अस्पृश्यता का अंत तथा नारी सम्मान के विचारों को आत्मसात करें तथा दोनों महान विभूतियां के विचारों को अपने आचरण में लाकर हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में खादी ग्रामोद्योग और रेशम विभाग द्वारा स्टॉल, प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसी तरह रिजर्व पुलिस लाइन कुशीनगर में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर पुलिस कर्मियो को सत्यनिष्ठा के साथ राष्ट्र की एकता व अखंडता की शपथ दिलाई गयी तथा उनके आदर्शो पर चलने के बारे में बताया गया।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 6 ग्राम प्रधानों को डीएम ने किया सम्मानित

कार्यक्रम में टी बी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टी बी मुक्त हुए ग्राम सभाओं के 6 ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र एवं महात्मा गांधी की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित जिलाधिकारी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि एक समय था जब टीवी एक गंभीर बीमारी हुआ करती थी लेकिन आज इसका इलाज संभव है। टीबी के जीवाणु लगभग सबके शरीर में विद्यमान होते हैं। जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। उन पर यह ज्यादा और त्वरित गति से प्रभाव दिखाते हैं। ऐसे में अपने दैनिक खान-पान का विशेष ध्यान रखें। पौष्टिक आहार भोज्य पदार्थों के रूप में ग्रहण करें। अगर आपके आसपास में किसी को टीबी का लक्षण दिखाई देता है तो तत्काल अस्पतालों में चिकित्सकों से संपर्क करें तथा पूरे कोर्स के तहत दवाई ले। भारत सरकार के द्वारा इस पर ₹3000 भी पौष्टिक आहार हेतु दिए जाते हैं। उन्होंने ग्राम प्रधानों तथा जनप्रतिनिधियों से अपील किया कि जहां कहीं भी किसी को टीबी के लक्षण अगर दिख रहे हैं तो उन्हें छुपाए नहीं अपितु तत्काल अस्पतालों में उन्हें भर्ती कराए। कार्यक्रम का संचालन बृजेश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रेम कुमार राय, उपजिलाधिकारी न्यायिक अनिल कुमार, आशुतोष, प्रशासनिक अधि0 राजेश श्रीवास्तव, कलेक्ट्रेट नाजिर बृजेश समस्त पटल सहायक, जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुर्गा स्तुति के साथ हुआ प्रान्तीय संस्कृति महोत्सव एवं गणित मेला का आगाज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कादीपुर/सुलतानपुर। भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज झारखंड कादीपुर सुल्तानपुर के प्रांगण में प्रांतीय संस्कृति महोत्सव एवं वैदिक गणित मेला के उद्घाटन सत्र में विद्या भारती के माननीय सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ राम मनोहर जी ने अपने उद्बोधन मे कहा कि शिक्षणेत्तर कार्यक्रम के माध्यम से ही बालक का सर्वांगीण विकास होता हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कादीपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश गौतम ने कहा कि अपने संस्कृति को बचाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी कादीपुर उत्तम कुमार तिवारी ने विद्या मंदिर में पढ़ने वाले भैया बहनों के अंदर संस्कार सामाजिकता का एक अलग रूप देखने को मिलता है, छात्रों के सर्वांगीण विकास में प्रतियोगिताओं का विशेष महत्व होता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य अवधेश कुमार मिश्र ने अतिथियों का परिचय कराते हुए उनको श्रीफल अंग वस्त्र,एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं कादीपुर नगर अध्यक्ष आनंद कुमार जायसवाल ने प्रतिभाग करने वाले भैया बहनों को देश और समाज का गौरव बताया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केंद्र बहनों द्वारा दुर्गा स्तुति प्रस्तुत की गई जिस पर सभी भाव विभोर हो गये, बहनों द्वारा लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई आए हुए अतिथियों ने भारत माता की आरती किया। विद्यालय के प्रबंधक दयाराम यादव जी ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया स वेद मंत्र के उच्चारण के साथ घंटा ,घड़ियाल एवं शंखनाद द्वारा अतिथियों ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस महोत्सव में काशी प्रांत के आठ संकुल से बारह जिला के भैया बहन प्रतिभा कर रहे हैं।

सकारात्मक परिवर्तन के लिए आगे आयें युवा : ज्ञानेन्द्र विक्रम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए युवाओं को आगे आना होगा। देश का नवनिर्माण युवा शक्ति के हाथ में है। ऐसा नैतिकता और सत्य के रास्ते पर चलकर ही सम्भव हो पायेगा। यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहीं। वह कादीपुर के शाहगंज मार्ग स्थित एक शिक्षण संस्थान में नेहरू युवा केन्द्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी व वाद-विवाद प्रतियोगिता को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। वाद विवाद में प्रतियोगिता में अंशिका को प्रथम, शिवा को द्वितीय और प्रतिमा को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महात्मा गांधी के विचार विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक अजय मौर्य व संचालन कार्यक्रम संयोजक सौहार्द बरनवाल ने किया। उत्कर्ष द्विवेदी, महेश निषाद, प्रवेश व सचिन पांडेय आदि ने भी अपने विचार रखे। एनवाईके के कार्यक्रम एवं लेखा पर्यवेक्षक दिनेश मणि ओझा ने आभार व्यक्त किया।

सड़क किनारे घर में दिनदहाड़े चोरी हुए लाखो के जेवरात व नगदी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुड़वार/सुल्तानपुर। घर वालो के पुश्तैनी घर जाने के बाद कुड़वार अलीगंज मार्ग पर दिनदहाड़े चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दे डाला। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग दिनदहाड़े हुई घटना से अवाक हो गए।सूचना पर पहुंची मामले की जांच में जुटी है।

गुरुवार को स्थानीय थाना क्षेत्र गोसाईं की मठिया सरकौडा गांव निवासी राम कुमार यादव पुत्र स्व राम सुन्दर यादव खेत गए थे। उनकी छोटी बहू सुमित्रा पत्नी सुधीर कुमार पढ़ाने श्रीराम इंटर कॉलेज रवनिया गई थी।बड़ी बहू रीता पत्नी श्रवण कुमार व बेटी सरोज कुमारी बच्चो के साथ दिन में 11 बजे गांव स्थित पुराने घर में बीमार मां कुसुम के पास गई थी। इतने में मौका पाते ही घर में घुसे चोरों ने आलमारियो व बक्शो को तोड़कर दोनो बहुओं के गहनों व नगदी लेकर फरार हो गया।थोड़ी देर बाद जब बेटी सरोज कुमारी वापस लौटी तो घटना की जानकारी होते ही अवाक हो गई।घटना की सूचना पीड़ति राम कुमार ने पुलिस को दी।सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई। पीड़ति की बडी बहू रीता के अनुसार चैन, अंगूठी, हार, बेंदी, कर्धन, पायल, झाला सहित 50 हजार नगद व बच्चे का गुल्लक चोरी हो गया है। छोटी बहू सुमित्रा के अनुसार हार,दो चैन, बेंदी, पायल, झुमकी, माथ बेंदी, हाथ बेंदी सहित बच्चे के समान पीतल के बर्तन व 15 हजार रुपए चोरी हो गए है। घटना की लिखित सूचना राम कुमार ने अज्ञात के खिलाफ पुलिस को दी है। प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। चोरों की तलाश के लिए पुलिस टीमें लगाई गई है।

वृद्धा आश्रम में लायंस क्लब ने किया अन्नदान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। गांधी जयंती से शुरू हुए लायंस क्लब के सेवा सप्ताह के दूसरे दिन पदाधिकारी ने वृद्ध आश्रम में अन्न दान किया।

इस अभियान के तहत लायंस क्लब सुल्तानपुर सेंट्रल मंडल 321-ई के द्वारा वृद्धा आश्रम तुराब खानी में जाकर उनका हाल चाल जाना। वृद्धा आश्रम में लगभग 80 लोगों के भोजन की व्यवस्था के लिए अन्न दान किया गया जिसमे दाल, चावल, आटा, आलू, मसाला, तेल एवं फल के साथ जलेबी और समोसे का वितरण किया गया। लायन शबीहुल हसनैन अध्यक्ष, लायन आशीष अग्रवाल सचिव, लायन सतीश कुमार श्रीवास्तव चार्टर अध्यक्ष, लायन मनोहर सिंह चार्टर सदस्य, लायन जसबीर सिंह चार्टर सदस्य, लायन सौरभ कांत पूर्व मंडलाध्यक्ष, लायन धर्मेंद्र चोपड़ा, लायन रमेश जायसवाल, इत्यादि ने इस सेवा कार्य में अपनी सहभागिता प्रदान की। सेवा सप्ताह के दौरान क्लब के द्वारा और भी सेवा कार्य सम्पन्न कराए जाने हैं।

हिन्दू युवती का धर्मांतरण कराकर दुष्कर्म करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद के विशुनपुरा पुलिस ने हिंदू युवती को भगाकर धर्मांतरण कराकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुध्द चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना विशुनपुरा पर 26 सितम्बर 2024 को पीडिता की मां द्वारा तहरीर दिया कि उनकी लड़की उम्र लगभग 19 वर्ष को अभियुक्त नौसाद उर्फ नेसार पुत्र सोबराती अंसारी साकिन नगर पंचायत दुधही वार्ड न0 03 थाना विशुनपुरा जनपद कुशीनगर द्वारा भगा ले गया है। इस सूचना पर तत्काल घटना का संज्ञान लेते हुए थाना विशुपुरा पर मु0अ0सं0 393/2024 धारा 87,137(2),351(2) बी0 एन0 एस0 व 3/5(1) उ0प्र0 विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कराया गया एवं घटना के शीघ्र अनावरण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम घटित की गयी।

आगामी त्यौहारों में कोई भी नई परम्परा मान्य नहीं होगा : डीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में आगामी त्यौहार नवरात्री विजयादशमी दशहरा के मद्देनजर एक आवश्यक बैठक जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक रीतेश कुमार सिंह की उपस्थिति में समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, विभिन्न संप्रदाय के धर्मगुरुओं व जनपद के प्रतिष्ठित संभ्रांत नागरिकों के साथ संपन्न हुई।

बैठक में आगामी त्यौहार नवरात्र विजय दशमी (दशहरा) के मौके पर प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर साफ सफाई, उचित प्रकाश की व्यवस्था, कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। उपरोक्त त्योहार के दृष्टिगत सर्वप्रथम आए हुए जन सामान्य से विसर्जन स्थलों, पंडाल स्थापना के समय आने वाली समस्या, विवादित स्थानों तथा संवेदनशील स्थानों पर उत्पन्न होने वाली समस्याओं के बारे जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर निकायों को नगरीय क्षेत्रों में तथा डीपीआरओ को ग्रामीण क्षेत्रों मे साफ सफाई कराने एवं अधि0 अभि0 विद्युत को ढीले तथा जर्जर तारों को ठीक कराने एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर किसी प्रकार की नई परम्परा की शुरुआत नही की जाएगी। उन्होंने पंडाल निर्माताओं से कहा कि विवादित स्थलों पर पंडाल न लगाए। हाई टेंशन तारों, विद्युत पोलो के आसपास पंडाल कतई न लगाए। इससे आम लोगो को बिजली का घात लग सकता है। इसलिए ऐसे स्थानों से बचे और दूर पंडाल लगाए। जो शासन द्वार निर्गत गाइडलाइंस है। उनका शतप्रतिशत पालन करते हुए नवरात्र में पंडाल का निर्माण करे और विसर्जन तक अनुपालन करे। आयोजक भी सफाई में मदद करें। गाइडलाइंस का पालन न करने वालो और शांति व्यवस्था व सौहार्द्रता बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। आवश्यतानुसार रेत की बोरी के माध्यम से घाटों का निर्माण किया जाए। उचित रूप से बैरिकेडिंग करा दिया जाए। गोताखोरों की व्यवस्था किया जाए। एसडीआरएफ की टीम भी चिन्हित स्थलों पर रहे। ज्यादा गहरा पानी अगर है तो बांस से घेर दिया जाए। आवागमन के रास्ते पर प्रकाश की उचित व्यवस्था की जाय। उन्होंने आयोजनकर्ताओं से कहा कि पंडाल सुरक्षात्मक रूप से सुदृढ़ रहे और फायर कंट्रोल की उचित व्यवस्था किया जाए तथा रात्रि 10 बजे के बाद कहीं भी डीजे/साउंड नही बजेंगे। वृद्ध महिलाओं और पुरुषों की स्वास्थ्य की देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। यह सभी से अपेक्षा रहेगा कि आपसी सामंजस्य और सौहार्द्रता से सम्पूर्ण त्यौहार को मिलजुल कर मनाएंगे। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने कहा कि सभी अधिकारी रूट चार्ट का भ्रमण कर निरीक्षण कर लें। इस अवसर पर सोशल मीडिया द्वारा अफवाहों पर ध्यान न दिए जाने की बात कही गई तथा पंडाल बनाने से लेकर विसर्जन तक शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देश दिए गए। आवश्यता नुसार सभी स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। पंडाल आयोजन कर्ता समिति के सदस्यों का नाम सहित मोबाइल नंबर थाने में सूची उपलब्ध करा दें। आयोजनकर्ता समिति के पंडाल के पास हमेशा मौजूद रहे। भ्रामक व गलत खबर अगर कोई प्रसारित कर रहा है तो उसकी सूचना थाने में दे सकते है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय एवं तत्पर रहेगी। माहौल खराब करने वाले लोगों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सभी पंडालों के आसपास पुलिस की व्यवस्था चॉक चौबंद रहेगी। लोगों से अपेक्षा रहेगा कि संपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्वक, सकुशल संपन्न कराने में प्रशासन की सहायता करें। अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र ने उपस्थित अधिकारियों को नगर निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई, चूना छिड़काव की व्यवस्था को सुनिश्चित किए जाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में अश्लील गाने नही बजाए जायेंगे। उन्होंने उपस्थित लोगो तथा जनपद वासियों से इस पावन पर्व पर जनसहयोग की अपेक्षा की। नवरात्र दशहरा के दृष्टिगत सभी अधिकारियो एवं मजिस्ट्रेटों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी व लगन के साथ किए जाने के निर्देश दिए गए। एडीएम ने पीस कमेटी में आए लोगो से नवरात्र के त्योहार को शांति, व आपसी सौहार्द से मनाने, अफवाहों पर ध्यान न देने, प्रशासन की ओर जारी गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक रीतेश कुमार सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी के साथ उप जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) व समस्त अधि0 अधिकारी नगर निकाय, क्षेत्राधिकारी कसया, तमकुही, खड्डा, अधि0 अभियंता विद्युत, सभी संबंधित अधिकारी तथा पंडाल निर्माता अध्यक्ष, विभिन्न संप्रदायों के धर्मगुरु, जनपद के प्रतिष्ठित संभ्रांत नागरिक एव संबंधित जन सामान्य मौजूद रहे।

लायंस क्लब सिटी द्वारा विशाल डांडिया नाइट, फैशन शो का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। लायंस क्लब इलाहाबाद सिटी के अध्यक्ष लायन अनूप सिंह एवं पी एस टी टीम के नेतृत्व में नवरात्रि के शुभारंभ पर अनेक आयोजन रखे गए नवरात्रि की पूर्ण संध्या पर गुलाटी यूनाइटेड गेस्ट हाउस चैथम लाइंस पर विशाल कार्यक्रम का आयोजन आयोजित किया गया।

आयोजन में नवरात्रि का परंपरा के अनुरूप डांडिया नृत्य के साथ आगाज किया गया। प्रतिभाग करने वाले सदस्यों के द्वारा फैशन शो में अपनी अपनी प्रतिभाएं और हुनर बिखेरे। जिसमें प्रतिभागी कपल वॉक, सोलो वॉक और बच्चों के लिए किड्स वॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी लोगों ने आर्केस्ट्रा की धुन पर खूब धमाल मचाया। स्त्रियों, पुरुषों और बच्चों ने कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया एवं स्वादिष्ट चाट का भी मजा लिया। सभी ने कार्यक्रम के अंत में लजीज एवं स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व गवर्नर सौरभ कांत द्वारा दीप प्रज्वलन कर के किया गया। पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जगदीश गुलाटी ने नवरात्रि के अवसर पर सभी क्लब के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की और बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया।

क्लब के अध्यक्ष लायन अनूप सिंह ने इस प्रकार के आयोजन को बहुत महत्वपूर्ण बताया और सभी के लिए अपना आभार प्रकट किया। क्लब के सचिव अचल अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मीना से मेहनत और अभ्यास करके कार्यक्रम को चल चांद लगाए। कार्यक्रम की चेयरपर्सन रीता बीर, फैशन शो के चेयरपर्सन प्रतीक अहलानी द्वारा कई दिनों से अभ्यास कराके कार्यक्रम को सफलता के मुकाम पर पहुंचा दिया।

120 फिट का बृहद मंच जनता के आकर्षण का होगा प्रमुख केंद्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज अपनी श्रेष्ठ कला संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है यहां की रामलीलाएं देश में प्रमुख स्थान रखतीं हैं। इसी क्रम में शहर की प्रतिष्ठित बाघम्बरी क्षेत्र रामलीला कमेटी, भारद्वाज पुरम इस वर्ष ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से होने वाली भव्य रामलीला का मंचन करने जा रही है।

रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ओम नारायण त्रिपाठी ने बताया कि लगातार 10 दिनों की रामलीला में लगभग 60 प्रतिष्ठित कलाकार भाग लेंगें तथा इसका निर्देशन संस्था द थर्ड बेल के वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर करेंगे। इस रामलीला के पात्रों के चयन प्रक्रिया का बहुत ध्यान रखा गया है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की भूमिका शिक्षक अमितेश श्रीवास्तव तथा सीता की भूमिका में शिक्षिका अलका सिंह हैं। लक्ष्मण का हर्षित पांडेय, भरत एवं शत्रुघ्न का गौरव शर्मा व हेमंत सिंह, रावण की सत्यम सिंह राजपूत एवं हनुमान का विनोद यादव तथा दशरथ एवं कैकेयी की भूमिका निभा रहे हैं। आकाशवाणी के प्रतिष्ठित कलाकार क्रमशः शैलेश श्रीवास्तव, ऋतिका अवस्थी मंथरा निकिता गौतम, मेघनाद का हर्षित, कर्नल श्रीकुमार विश्वामित्र एवं बालि का क़रिदार निभाएंगे। वशिष्ठ और विभीषण का राकेश, अश्विनी श्रीवास्तव कुम्भकर्ण की व जनक की भूमिका में अरुण शुक्ला हैं।

अन्य प्रमुख कलाकरों में विनय त्रिपाठी, नीरज मिश्रा, सिद्धार्थ त्रिपाठी, संध्या, श्वेता, हर्षिता, जागृति, रवींद्र, प्रणय, वंश, कोणार्क इत्यादि हैं। अलका और सरगम अपने नृत्यांगनाओं के साथ मंच पर अद्भुत छटा बिखरेंगी। प्रकाश संचालन जतिन कुमार का एवं संगीत संचालन विजय का रूप सज्जा अलका पाण्डेय और उनकी टीम का होगा।

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी विख्यात चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि इस भव्य रामलीला का प्रमुख आकर्षण इसका बृहद मंच होगा जो लगभग 120 फिट का होगा। इस बार की रामलीला से दर्शकों का भरपूर रसास्वादन हो एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जी के जीवन से हमारी युवा पीढ़ी एवं जनमानस को सीखने का अवसर मिले।

उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से मिल कर शिक्षकों एवं परिषदीय विद्यालयों की समस्यायों से कराया अवगत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक श्रीनिवास शुक्ल के नेतृत्व में प्रधानाचार्यों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर शिक्षकों की समस्यायों से अवगत कराते हुए निदान कराए जाने की मांग रखी।

उक्त जानकारी प्रधानाचार्य परिषद के प्रांतीय मंत्री शैलेंद्र दत्त शुक्ल, जिलाध्यक्ष प्रधानाचार्य परिषद डा देवेंद्र मणि ने संयुक्त रूप से देते हुए बताया कि संगठन द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष रखे गए मांग पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में कार्य कर रहे तदर्थ प्रधानाचार्यों को विनियमित करने में सरकार का एक पैसा अधिभार नही लगना है और दस, बारह वर्ष से कार्य कर रहे और चार पांच वर्षों में अवकाश ग्रहण करने वाले तदर्थ प्रधानाचार्य ससम्मान अवकाश ग्रहण कर लेंगे। प्रधानाचार्य परिषद ने मुख्यमंत्री से मांग किया है कि वर्ष 2010 से ही 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क एव अनिवार्य शिक्षा के अंतर्गत कक्षा 8 तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है परंतु एक भी पैसा क्षतिपूर्ति नही मिलता है। ऐसे में बेसिक की भांति जूनियर स्तर तक माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को क्षतिपूर्ति मिल जाए तो और भी बेहतर परिणाम मिलने लगेंगे। प्रधानाचार्य परिषद के शुल्क वृद्धि पर भी मुख्यमंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया। 2010 से शुल्क वृद्धि नही की गई है। जबकि महंगाई कई गुना बढ़ गई है और नवां मद जो आकस्मिक व्यय के लिए है को सृजित करने का भी सुझाव दिया गया। इसके साथ अन्य मूल विषयों पर भी व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक श्रीनिवास शुक्ल से स्वास्थ्य के बारे में कुशल क्षेम पूछा और प्रतिनिधि मंडल से मांगों पर विचारोपरांत यथोचित निदान हेतु आश्वस्त किया।

आजमगढ़ मंडल को भी योगी सरकार ने बनाया 'रूरल टूरिज्म डेवलपमेंट स्ट्रैटेजी' का हिस्सा

उत्तर प्रदेश के समृद्ध ग्रामीण परिवेश को घरेलू व विदेशी पर्यटकों में प्रसिद्ध बनाने की परियोजना से आजमगढ़ मंडल भी जुड़ा

» देवीपाटन, चित्रकूट, अयोध्या, लखनऊ तथा वाराणसी मंडल में पहले से ही इस परियोजना के अंतर्गत शुरू हो चुका है क्रियान्वयन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने प्रदेश में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में एक नए अध्याय को जोड़ा है। प्रदेश की समृद्ध ग्रामीण परिवेश को घरेलू व विदेशी पर्यटकों में प्रसिद्ध बनाने की परियोजना से अब आजमगढ़ मंडल को भी जोड़ा जा चुका है। सीएम योगी के विजन अनुसार योजना के अंतर्गत, आजमगढ़, मऊ व बलिया में 4 गांवों में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे समेत विभिन्न पर्यटक सुविधाओं विकास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आजमगढ़ मंडल के गांवों को इस योजना के साथ जोड़ने के बाद अब कुल मिलाकर रूरल टूरिज्म के लिए डेवलप किए जा रहे गांवों की संख्या 97 हो गई है। देवीपाटन, चित्रकूट, अयोध्या, लखनऊ तथा वाराणसी मंडल में पहले से ही इस परियोजना के अंतर्गत क्रियान्वयन शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि प्रदेश के अन्य मंडलों के चिह्नित गांवों को भी इस प्रक्रिया से जल्द ही जोड़ा जाएगा। इन सभी पर्यटन विकास एवं निर्माण कार्यों को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा सीएम योगी के विजन अनुसार पूरा किया जा रहा है और योजना को गति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पर्यटन विभाग द्वारा योजना को दी जा रही गति

सीएम योगी के विजन अनुसार, परियोजना के अंतर्गत आजमगढ़, मऊ और जौनपुर जिलों में कुल 4 गांवों का चयन रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे परियोजना के लिए चयनित किया जाएगा। सभी चारों गांव में एक विलेज को ऑर्डिनेटर, एक-एक जिला को ऑर्डिनेटर, एक टूरिज्म एक्सपर्ट, एक रूरल डेवलपमेंट एक्सपर्ट व टीम लीड की तैनाती होगी। प्रत्येक गांव में 10 लोकल गाइड, 5 स्टोरी टेलर, तथा लोकल कुजीन का स्वाद उपलब्ध कराने का दायित्म 5 परिवारों को सौंपा जाएगा। इसके अतिरिक्त, जरीदोजी, मूंज, लकड़ी के शिल्पकार, कुम्हार तथा बोटिंग, फिशिंग, फल व सब्जी तोड़ने तथा साइक्लिंग इत्यादि की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 20 कलाकारों तथा स्थानीय लोगों को कार्यभार सौंपा जाएगा। ग्राम स्तर पर 10 होम स्टे तक निर्मित किए जा सकेंगे। इनकी रजिस्ट्रेशन, विकास व नियमन इत्यादि की प्रक्रिया को स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार की पॉलिसी के अनुरूप पूरा किया जाएगा। सारी प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के दिशा-निर्देशन में पूरी की जाएगी।

सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए होगा प्रमोशन

परियोजना के अनुसार, सभी रूम स्टे निधि प्लस पोर्टल के साथ भी एकीकृत होंगे। इसके अतिरिक्त, 4 आइसोलेटेज एग्रो टूरिज्म प्रॉपर्टीज के विकास की संभावनाओं को भी तलाशा जाएगा। परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक तीन महीने में गांवों में टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही, इन सभी ग्रामों का सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अकाउंट बनाकर उन्हें प्रमोट किया जाएगा। ग्रामों में 15 रूम तक की कैपेसिटी पर रूम स्टे विकसित किए जाएंगे। सारी विकास प्रक्रिया को 6 महीने के 3 चरण, 4 महीने के चौथे चरण तथा 2 महीने के पांचवें चरण के रूप में 24 महीनों यानी दो वर्षों की अवधि में विकसित किया जाएगा।

पर्यटन बढ़ाने की अपार संभावनाओं में ग्रामीण पर्यटन करेगा इजाफा

उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटकों के लिहाज से देश का नंबर वन टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के अतिरिक्त प्राकृतिक, वन्य व लोक पारंपरिक कलाओं आधारित पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश की संस्कृति और प्रकृति को देखने और उसे अनभूत करने की ललक न केवल देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों में भी बहुत है। यही कारण है कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी व्यापक स्तर पर जागृत करने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के समीप ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गांवों में होम स्टे समेत पर्यटन विकास की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है। साथ ही, ग्रामीण, वन समेत पर्यटन के लिहाज से प्रमुख टूरिस्ट सर्किट में टूर गाइड्स व ऑपरेटर्स की ट्रेनिंग प्रक्रिया को भी बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम जारी है।

योगी सरकार में 'वेस्ट से वेल्थ' बन रही है पराली

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पराली से अक्टूबर-नवम्बर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण की खबर सुर्खियों में रहती है। इसके उलट योगी सरकार के प्रयास से पराली अब ऊर्जा और उर्वरक का सोर्स बनकर ₹आम के आम और गुठलियों के भी दाम₹ की कहावत को चरितार्थ कर रही है।

फसल काटने के बाद किसानों और पर्यावरण के लिए समस्या मानी जाती रही पराली अब यूपी में वेस्ट से वेल्थ बनकर किसानों की आमदनी, ऊर्जा और बेहतरीन कंपोस्ट खाद के रूप में आमदनी और उत्पादन बढ़ाने का जरिया बनने लगी। यह संभव हो रहा है सीबीजी (कम्प्रेस्ड बायो गैस) प्लांट से। सीबीजी प्लांट के लिए पराली की आपूर्ति कर किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं।

सीबीजी उत्पादन में यूपी देश में नंबर वन

सीबीजी प्लांट में पराली से इंधन तैयार हो रहा है और इंधन बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किसानों से उनकी पराली खरीदी जा रही है। पिछले साल तक उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट क्रियाशील थे। वर्तमान में सीबीजी के उत्पादन में यूपी देश में नंबर वन है।

सीबीजी की 24 इकाइयां क्रियाशील, 93 इकाइयां निर्माणाधीन

सीबीजी की 24 इकाइयों में उत्पादन हो रहा है। 93 इकाइयां निर्माणाधीन हैं। आने वाले समय में प्रदेश में इनकी संख्या बढ़कर सौ हो जाएगी। मार्च 2024 में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी इसकी घोषणा भी कर चुके हैं।

मूल समस्या की वजह

उल्लेखनीय है कि यंत्रीकरण के बढ़ते चलन और श्रमिकों की अनुपलब्धता और श्रम के मंहगा होने की वजह से अब फसलों की कटाई कंबाइन से ही होती है। खरीफ और रबी की प्रमुख फसल धान और गेहूं की कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए इन फसलों के अवशेष जलाने की प्रथा रही है। इसके कारण खासकर धान की कटाई के बाद अक्टूबर-नवम्बर में रबी की मुख्य फसल गेहूं की समय से बोआई के लिए पराली जलाने से मौसम में नमी के कारण पर्यावरण की समस्या कुछ इलाकों में गंभीर हो जाती है।

जैव ऊर्जा नीति के बाद सीबीजी, बायोकोल और बायोडीजल के उत्पादन में बढ़ी निवेशकों की रुचि

उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति 2022 के अनुसार कृषि अपशिष्ट आधारित बायो सीएनजी, सीबीजी इकाइयों को कई तरह के प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं। सरकार की मंशा हर जिले में सीबीजी प्लांट लगाने की है। इसी कड़ी में पिछले साल 8 मार्च को गोरखपुर के धुरियापार में इंडियन ऑयल के सीबीजी प्लांट का शुभारंभ हो चुका है। इसके उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उपस्थित रहे केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद थी।165 करोड़ रुपये की लागत से बना गोरखपुर का यह सीबीजी प्लांट पर्यावरण की रक्षा, किसानों की आमदनी बढ़ाने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा प्रयास साबित हो रहा है। इस प्लांट में रोजाना 200 मीट्रिक टन पराली यानी कृषि अवशेष (धान का भूसा), 20 मीट्रिक टन प्रेसमड और 10 मीट्रिक टन मवेशियो के गोबर के उपयोग की क्षमता वाला है। बायोगैस प्लांट में प्रतिदिन लगभग 20 मीट्रिक टन बायोगैस और 125 मीट्रिक टन जैविक खाद का उत्पादन होगा। जैविक खाद से कृषि की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी इस तरह के प्लांट का सीधा मतलब यह हुआ कि ऊर्जा क्षेत्र में भी अन्नदाता किसानों की बड़ी भूमिका होगी। और, इस ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र से जुड़कर वह अतिरिक्त आय भी अर्जित करेंगे। उधर पराली जब जलाई नहीं जाएगी तो पर्यावरण संरक्षण आप ही होने लगेगा।

उ0प्र0 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के नवमनोनीत पदाधिकारियों ने शपथ लेकर किया कार्यभार ग्रहण : असीम अरूण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष,बैजनाथ रावत, उपाध्यक्षों,बेचन राम एवंजीत सिंह खरवार सहित आयोग के अन्य सदस्यों ने आज शपथ लेने के बाद कार्यभार ग्रहण किया। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार),असीम अरूण ने गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में नवमनोनीत पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

इस 19 सदस्यीय आयोग में सदस्य के रूप मेंहरेन्द्र जाटव, महिपाल वाल्मिकी, संजय सिंह, सुश्री नीरज गौतम, नरेन्द्र सिंह खजूरी, तीजाराम, विनय राम, श्रीमती अनीता गौतम, रमेशचन्द्र, मिठाईलाल, उमेश कठेरिया, जितेन्द्र कुमार एवं श्रीमती अनीता कमल ने शपथ ग्रहण किया। तीन सदस्य जिनमेंदिनेश भारत, शिवनारायण सोनकर एवंरमेश कुमार तूफानी शामिल हैं, किन्हीं कारणोंवश शपथ के लिए उपस्थित नहीं हो सके। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के अवसर पर अपने संबोधन में समाज कल्याण मंत्री ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनांए देते हुए कहा कि आयोग में पद मिलना एक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहुत सोच समझकर सुयोग्य पदाधिकारियों को चुनते हुए नया आयोग गठित किया है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि समाज की सेवा करना सौभाग्य है। नवमनोनीत पदाधिकारीगणों को महत्वपूर्ण शक्ति दी गई है। उन्हें इन शक्तियों का प्रयोग समाज के उपेक्षित एवं पीड़ति व्यक्तियों को संविधान के अनुसार न्याय दिलाने के लिए करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग हर प्रकार से आयोग के सहयोग के लिए उपलब्ध है। उपेक्षितों की पीड़ा के निराकरण में ही आयोग की सफलता है। नवमनोनीत आयोग के अध्यक्ष, बैजनाथ रावत ने कहा कि समाज कल्याण मंत्री ने पीड़ितों को न्याय दिलवाने में काफी मेहनत की है। नवगठित आयोग के पदाधिकारीगण इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदो को न्याय दिलाने के लिए दिन-रात मेहनत करेंगे। आयोग के सभी पदाधिकारी कदम से कदम मिलाकर आयोग के संज्ञान में आये मामलों का अन्वेषण एवं अनुश्रवण करते हुए न्याय की कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। अध्यक्ष ने कहा कि अति गंभीर प्रकृति के मामलों में आयोग द्वारा स्थलीय निरीक्षण के बाद कार्यवाही की जायेगी ताकि पीड़ति को निष्पक्ष न्याय मिल सके। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव, डॉ0 हरिओम, निदेशक, समाज कल्याण विभागकुमार प्रशांत सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वयंसेवी संस्थाओं और गैरसरकारी संगठनों को साथ लेकर गोसंरक्षण को बढ़ावा दिया जायेगा : श्याम बिहारी गुप्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के नवमनोनीत अध्यक्षश्याम बिहारी गुप्ता ने आज यहां इंदिरा भवन स्थित उ0प्र0 गोसेवा आयोग में पद्भार ग्रहण किया। इसके साथ हीजसवन्त सिंह उर्फ अतुल सिंह ने मा0 उपाध्यक्ष के रूप में तथाराजेश सिंह सेंगर ने सदस्य के रूप में पद्भार ग्रहण किया। इस अवसर पर अध्यक्षश्याम बिहारी गुप्ता जी ने अपनी प्रेसवार्ता में गोसंरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गोवंश को प्रदेश के किसानों एवं पशुपालकों के लिए समृद्धि का आधार बनायेगे। उन्होंने कहा कि गौसंरक्षण कार्यों में योगदान देना हमारे लिए सौभाग्य का विषय है। आयोग के पदाधिकारीगण प्रदेश में गौसंरक्षण कार्यों में अपना अमूल्य योगदान सुनिश्चित करेंगे। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाना और गौजनित उत्पादों को व्यवसायिक रूप से लाभकारी बनाना आयोग की प्राथमिकता रहेगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो से 10,000 करोड़ की व्यावसायिक लीड्स प्राप्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और वैश्विक व्यापार को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाते हुए ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस आयोजन ने प्रदेश को वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने इस उपलब्धि को साझा करते हुए बताया कि इस बार ट्रेड शो में 4,25,268 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 48.91 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि उत्तर प्रदेश के उद्योगों की बढ़ती क्षमता और व्यापारिक अवसरों की पुष्टि करती है। प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस बार ठ2ठ (बिजनेस टू बिजनेस) और ठ2ब (बिजनेस टू कस्टमर) क्षेत्रों में भी जबरदस्त उछाल देखा गया। इसमें 1,03,688 बिजनेस टू बिजनेस प्रतिभागियों और 3,21,580 बिजनेस टू कस्टमर प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो क्रमशः 42.84 प्रतिशत और 50.98 प्रतिशत की वृद्धि है। यह औद्योगिक विकास और राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए सकारात्मक संकेत है। मंत्री सचान ने कहा कि इस साल के आयोजन में 2,500 से अधिक प्रदर्शकों ने अपने उत्पाद और सेवाओं का प्रदर्शन किया, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 2,000 थी। इस आयोजन में 70 से अधिक देशों के 500 से अधिक विदेशी खरीदारों ने भी हिस्सा लिया, जिससे राज्य के अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने में मदद मिली। खासतौर से वियतनाम जैसे देशों ने उत्तर प्रदेश के साथ व्यापारिक संबंधों को प्रगाढ़ किया है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 के दौरान 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की व्यावसायिक पूछताछ और लीड्स उत्पन्न हुई हैं, जो राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है।

सम-सेमेस्टर और वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम घोषित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा जून 2024 में आयोजित सम-सेमेस्टर, वार्षिक और विशेष बैक पेपर परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। ये परीक्षाएं 22 जून 2024 से 26 जुलाई 2024 के बीच प्रदेश के 188 परीक्षा केंद्रों पर शुचितापूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल के निर्देशानुसार इस बार पहली बार डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था लागू की गई, जिसमें प्रदेश के 150 राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों ने भाग लिया। प्राविधिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने परीक्षा परिणाम घोषित करने की जानकारी दी। सेमेस्टर परीक्षा में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 60.06ः रहा, जबकि वार्षिक परीक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत 41.24ः रहा। सेमेस्टर परीक्षा में 28.3ः छात्र और 42ः छात्राएं सफल हुईं। सचिव अजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि सेमेस्टर परीक्षा, जून 2024 में सावित्री बाईफुले राजकीय पॉलिटेक्निक, आजमगढ़ के छात्र शुभम वर्मा ने 86.13 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। एम्बीशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वाराणसी के आकाश कुमार मौर्या ने 85.74 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी संस्थान के अजय कुमार ने 84.95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान पाया। सागर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, फिरोजाबाद की छात्रा इकरा खान ने 82.96 प्रतिशत अंकों के साथ वार्षिक परीक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया। राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, प्रयागराज की अंजली यादव ने प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस एंड रिसर्च, उन्नाव की मरियम फातिमा ने 82.26 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाएगी योगी सरकार

» प्रदेश भर में 65 हजार से अधिक हेक्टेयर है गोचर भूमि, 27 हजार से अधिक अब तक कब्जा मुक्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश भर में गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाने जा रही है। सीएम योगी ने इसके लिए नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही अभियान की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी आदेश दिये हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवंश को हरा चारा, भूसा और पौष्टिक पशुआहार उपलब्ध कराने के लिए फैसला लिया है। इसी क्रम में प्रदेश के 12 जिलों में 27 हजार से अधिक गोचर भूमि को शत प्रतिशत कब्जामुक्त किया जा चुका है।

अभियान की प्रतिदिन रिपोर्ट शासन को सौंपेंगे नोडल अधिकारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराने के निर्देश दिये हैं। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नोडल अधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है ताकि अभियान की प्रॉपर मानीटरिंग हो सके। वहीं नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन अभियान की रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश भर में गोचर भूमि की सूची तैयार की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कितनी गोचर भूमि पर कब्जा है। इसी के अनुसार जिलावार अभियान को चलाया जाएगा। बता दें कि समय-समय पर गोचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में एक बार फिर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित गोवंश का वास्तविक आंकलन करें और गो-आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड का निर्माण करें। गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, कहीं पर भी कीचड़ और जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। मृत गोवंश को ससम्मान एवं ठीक विधि से दफनाने की व्यवस्था हो।

प्रदेश भर में 65 हजार हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि, 27 हजार से अधिक अब तक कब्जा मुक्त

बता दें कि प्रदेश भर में राजस्व अभिलेखों के अनुसार 65,177 हेक्टेयर गोचर भूमि है। इनमें हरदोई में 4,599 हेक्टेयर, कानपुर नगर में 3,678 हेक्टेयर, रायबरेली में 3349 हेक्टेयर, लखनऊ में 3,077 हेक्टेयर, फतेहपुर में 2805 हेक्टेयर और अमेठी में 2,005 हेक्टेयर गोचर भूमि है। वहीं अब तक 27,688.75 हेक्टेयर गोचर भूमि कब्जामुक्त करायी जा चुकी है, जिसका प्रतिशत कुल गोचर भूमि का 42.48 प्रतिशत है। वहीं 37,488.25 हेक्टेयर गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

अब मंडल स्तर पर भी ट्रेड शो आयोजित करेगी योगी सरकार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की ग्रैंड सक्सेस से उत्साहित योगी सरकार अब इसी तरह के ट्रेड शो मंडल स्तर पर आयोजित करने को लेकर तैयारी में जुट गई है। शुरुआती स्तर पर 5 मंडलीय मुख्यालयों में ट्रेड शो का आयोजन कराया जा सकता है, जबकि जल्द ही सभी मंडलीय मुख्यालयों में ट्रेड शो के आयोजन की व्यवस्था की जा सकती है। गुरुवार को लोकभवन में आयोजित प्रेस वार्ता में एमएसएमई विभाग के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान, इंटरनेशनल ट्रेड शो के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया गया और आभार जताया।

कार्ययोजना पर हो रहा काम

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण ने सभी अपेक्षाओं से आगे जाकर उत्तर प्रदेश के व्यापार और औद्योगिक विकास में एक नया अध्याय लिखा है। 2023 में हुए पहले संस्करण की तुलना में दूसरे संस्करण ने नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे यूपीआईटीएस भारत के प्रमुख व्यापार आयोजनों में से एक के रूप में स्थापित हो गया है। सीएम योगी की मंशा है कि अब इस तरह के ट्रेड शो का आयोजन मंडलीय मुख्यालयों में भी किया जाए। इसके लिए अधिकारियों को कार्ययोजना बनाने के लिए कहा गया है।

बाहर के बाजारों में आक्रामक मार्केटिंग की आवश्यकता

प्रमुख सचिव, एमएसएमई आलोक कुमार ने बताया कि इस प्रोग्राम के दो उद्देश्य थे। पहला छोटे उद्योगों को इंटरनेशनल लेवल का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना और दूसरा हमारे क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर से दुनिया को परिचित कराना था। भारत के बहुत सारे ब्रांड तो पहले से ही विदेशों में हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश का ब्रांड नहीं है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा इरादा उत्तर प्रदेश को शोकेस करना भी था। अब हमारा प्रयास मंडल स्तर पर इस तरह के आयोजन करने का है। इसमें भले ही इंटरनेशनल बायर्स तो बड़ी संख्या में नहीं आएंगे, लेकिन प्रदेश के बाहर के बायर्स इसमें हिस्सा ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को लैंड लॉक से ज्यादा माइंड लॉक स्टेट मान लिया गया है, क्योंकि हम अपने ही बाजार को देखते हैं। जो बाहर के बाजारों की पोटेंशियल है, जहां से हम ज्यादा पैसा कमा सकते हैं, इसके लिए हमने अब तक आक्रामक तरीके से मार्केटिंग नहीं की है। इस ट्रेड शो के माध्यम से यह लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

5 मंडलों में ट्रेड शो कराने की व्यवस्था

उन्होंने बताया कि हम लोग आगरा, वाराणसी और लखनऊ में तीन यूनिटी मॉल स्थापित कर रहे हैं। यहां पर हम आर्टिजन के प्रोडक्ट्स को जगह देंगे। इसके साथ ही बरेली में भी हमने स्मार्ट सिटी के माध्यम से एक मॉल लिया है जिसको ऑपरेशनल करने वाले हैं, जबकि नोएडा में ऑलरेडी हमारी व्यवस्था पहले से ही है। इस तरह 5 मंडलों में हमने व्यवस्था कर ली है और हमने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि हर मंडलीय मुख्यालय में इस तरह का एक एग्जिबिशन सेंटर बने, ताकि आर्टिजन को सस्ते में अपने प्रोडक्ट्स को डिस्प्ले करने का मौका मिले।

जूट के थैले और गुलाबी मीनाकारी को मिले 5-5 करोड़ के ऑर्डर

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के उत्पादों को इंटरनेशनल बायर्स ने खूब सराहा है। उत्तर प्रदेश अपना खुद का इंटरनेशनल ट्रेड शो आयोजित करने वाला पहला राज्य है। ट्रेड शो में ओडीओपी के 350 स्टॉल लगाए गए। विभिन्न उद्योगों जैसे एमएसएमई, कृषि, रक्षा और वस्त्र उद्योग के भी वहां पर स्टॉल लगे। कुल मिलाकर 10 हजार करोड़ रुपए की इंक्वायरी और लीड्स मिली है। छोटे-छोटे कारीगरों को जो इतना बड़ा प्लेटफॉर्म मिला है, उसी का नतीजा है कि जूट का थैला बनाने वालों को भी 5 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिल गया। इसी तरह, वाराणसी की गुलाबी मीनाकारी को भी 5 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला। निश्चित तौर पर हमारे जो हस्तशिल्पी हैं, एमएसएमई हैं उनके उत्पादों को एक बड़ा बाजार हमारी सरकार ने दिया है, जिससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने का संकल्प पूरा होगा।

टूरिज्म और टेक्सटाइल में व्यापारिक गठजोड़ को लेकर उत्सुक है वियतनाम

प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि बाजार का अपना एक लॉजिक होता है। हम उनको फैसिलिटेट कर सकते हैं, लेकिन प्रोडक्ट की क्वालिटी क्या होगी, प्राइस क्या होगा, ये आर्टिजन और बायर के बीच तय होता है। उसमें सरकार का ज्यादा हस्तक्षेप नहीं है। हम अपने उद्यमियों को एक बड़ा प्लेटफॉर्म प्रोवाइड करने के लिए कमिटेड हैं और यह प्लेटफॉर्म ग्रेटर नोएडा में दो बार उपलब्ध करके दिखा दिया। हमारा प्लान है कि हर मंडलीय मुख्यालय पर एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार हो जहां ज्यादा मात्रा में लोग आकर इन प्रोडक्ट्स को देख सकें और डिसीजन ले सकें कि उनको ये प्रोडक्ट खरीदना है या नहीं। उन्होंने बताया कि वियतनाम को हमने पहली बार पार्टनर कंट्री के रूप में इस आयोजन से जोड़ा था। वियतनाम भी प्रदेश के अंदर बुद्धिस्ट सर्किट के अंदर टूरिज्म और टेक्सटाइल समेत अन्य सेक्टर में बड़े पैमाने पर यूपी के साथ जुड़ने को उत्सुक है।

पर्यटन मंत्री ने हनुमंत धाम लखनऊ में विधिवत पूजन के उपरान्त शारदीय नवरात्रि का किया शुभारम्भ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मिशन शक्ति के अंतर्गत आज प्रातः लखनऊ स्थित हनुमंत धाम में माता दुर्गा का विधिपूर्वक पूजन अर्चन कर शारदीय नवरात्रि कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मंदिर धाम कमेटी की ओर से मंत्री का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदिर पुजारी एवं ट्रस्टी विजय सिन्हा के अलावा संस्कृति विभाग के अपर निदेशक दिलीप गुप्ता, सहायक निदेशक तुहिन द्विवेदी तथा पर्यटन विभाग के उपनिदेशक कल्याण सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारम्भ के पश्चात पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि 03 से 12 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में मॉ दुर्गा के विभिन्न रूपों का पूजन अर्चन कर श्रद्धालुगण आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर संस्कृति विभाग उ0प्र0 की ओर से प्रदेश के 16 प्रमुख देवी मंदिर एवं शक्तिपीठों पर भजन कीर्तन का आयोजन किया जायेगा। प्रमुख देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों में मां पाटेश्वरी देवी मंदिर, देवीपाटन बलरामपुर, शीतला माता मंदिर मैनपुरी, मां वैष्णोदेवी मंदिर फिरोजाबाद, मां काली माता मंदिर झांसी तथा मां कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर वृन्दावन मथुरा शामिल हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसके अलावा अलोपी देवी मंदिर शक्तिपीठ प्रयागराज, मां विन्ध्यवासिनी शक्तिपीठ मिर्जापुर, नैमिषारण्य प्रभा स्थलीय सीतापुर, गोरखपुर मंदिर गोरखपुर, शीतला चकियाधाम जौनपुर, देवबंद मां त्रिपुरबाला सुंदरी शक्तिपीठ सहारनपुर, कड़ाधाम फतेहपुर, दुर्गा मंदिर वाराणसी, बड़ीदेव काली मंदिर अयोध्या, खत्री पहाड़ विन्ध्यवासिनी मंदिर बांदा, मां चन्द्रिका देवी मंदिर लखनऊ, कालीवाड़ी मंदिर लखनऊ तथा रामगिरी शक्तिपीठ चित्रकूट में भजन कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

वर्तमान समय में बापू की बुनियादी तालीम

बापू के शिक्षा महाअख्यान की चाहना यही थी कि बच्चे को अक्षर ज्ञान के साथ उसके कौशल विकास पर ध्यान देकर उसे स्वरोज़गार की दिशा दी जाए। साथ ही बच्चों में कल्पनाशीलता, जिज्ञासा, तर्कशीलता पूरी तरह से विकसित हो ताकि वह ईमानदारी और बेईमानी में फर्क समझे। बच्चों में यह समझ भी विकसित हो कि सही क्या है वर्ष 1937 में जब वर्धा में 'नई तालीम' पर डॉ ज़ाकिर हुसैन समिति काम कर रही थी तो के टी शाह जैसे अत्यंत ही विद्वान शिक्षक और शिक्षाविद से गांधी जी ने पूछा - 'के टी, आप कैसी शिक्षा बना रहे हैं अपने बच्चों के लिए'? केटी ने जवाब दिया बापू आप ही बताइए ना- कैसी शिक्षा होनी चाहिए? इस पर गांधी जी ने उत्तर दिया - मान लो,मैं किसी एक कक्षा में जाता हूं और वहां एक सवाल पूछता हूं कि अगर मैंने एक सेब चार आने में खरीदा और उसे एक रुपए में बेच दिया तो मुझे क्या मिलेगा? अगर इस सवाल के जवाब में सारी कक्षा के बच्चे यह कह उठे कि 'आपको इस बेईमानी पर दो साल की सजा मिलेगी' तो मैं मान लूंगा कि हम शिक्षा का ईमान निभा रहे हैं। किसी चीज़ में जरूरत से ज्यादा मुनाफा कमाना देश के साथ बेईमानी है इसलिए हमें प्रयास यह करना चाहिए कि शिक्षा से ऐसे संस्कार और मूल्य दिए जाएं जिससे बच्चों में ईमानदारी का गुण विकसित हो। गांधी जी का शिक्षा दर्शन बेहद व्यापक और जीवनोपयोगी है। वे मानते थे कि शिक्षा मनुष्य में निहित सर्वश्रेष्ठ को बाहर लाने की क्षमता है। उन्होंने शिक्षा के मुख्य सिद्धातों, उद्देश्यों तथा शिक्षा की योजना को मूर्त रूप देने का प्रयत्न किया।

गांधी जी शिक्षा के विकास का उद्देश्य बुद्धि विकास तक सीमित नहीं मानते थे, उनकी दृष्टि में शरीर के साथ-साथ आत्मा का विकास भी शिक्षण का अंग होगा चाहिए। 31 जुलाई 1937 के 'हरिजन' में उन्होंने लिखा-'शिक्षा से मेरा अभिप्राय यह है कि बालक की, प्रौढ़ के शरीर, मन तथा आत्मा को उत्तम क्षमताओं को उद्धरित किया जाए और बाहर प्रकाश में लाया जाए। अक्षर-ज्ञान न तो शिक्षा का अंतिम लक्ष्य है और ना उसका आरंभ। यह तो मनुष्य की शिक्षा के कई साधनों में से केवल एक साधन है। अक्षर-ज्ञान पाना अपने आप में शिक्षा नहीं है। इसलिए मैं बच्चों की शिक्षा का श्रीगणेश उसे कोई उपयोगी दस्तकारी सिखाकर और जिस क्षण से वह अपनी शिक्षा का आरंभ करे, उसी क्षण से उसे उत्पादन के योग्य मानकर करूंगा। मेरा मानना है कि इस प्रकार की शिक्षा प्रणाली में मस्तिष्क और आत्मा का उच्चतम विकास संभव है।'

गांधी जी की अध्यक्षता में वर्ष 1937 वर्धा में 'अखिल भारतीय शैक्षिक सम्मेलनज्ञ आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन में विनोबा भावे, काका कालेलकर तथा ज़ाकिर हुसैन भी सम्मलित हुए थे। सम्मेलन के बाद एक प्रस्ताव पास किया गया। इस प्रस्ताव में मोटे तौर पर तीन बिंदुओं पर जोर दिया गया- बच्चों की 7 वर्ष तक राष्ट्रव्यापी निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा, शिक्षा का माध्यम मातृभाषा और सबसे महत्वपूर्ण बात थी कि इस दौरान दी जाने वाली शिक्षा हस्तशिल्प या उत्पादक कार्य पर केंदित हो। इसके अलावा पर्यावरण हस्तकला, अंक गणित, समाज शास्त्र, भूगोल-इतिहास की शिक्षा की व्यवस्था भी हो। गांधी जी इन विषयों के साथ ही प्राथमिक स्तर पर बच्चों को संगीत-कला और व्यायाम की शिक्षा को भी अनिवार्य समझते थे। शिक्षा के संदर्भ में गांधीजी ने कहा-'शिक्षा की मौजूदा व्यवस्था न सिर्फ फिजूलखर्ची वाली है, बल्कि सचमुच ही नुकसानदायक भी है। लड़के अपने अभिभावकों से, अपने गांवों से, अपने पारंपरिक कौशलों से बिछुड़ जाते हैं। वे बेचारगी में छोटे-मोटे बाबूगीरी वाले कामों पर निर्भर हो जाते हैं और तो और बुरी आदतें व शहरी नकचढ़ापन अपना लेते हैं तथा गांव में किए जाने वाले सारे शारीरिक श्रम को, जिन पर हम सभी निर्भर हैं, जरिया समझने लगते हैं।'

गांधीजी अपने काल में शिक्षा को जिस नजरिये से देखकर उस पर विचार सेतु बना रहे थे,सौ बरस बाद के भारत की बदली हुई सामाजिक,भौगोलिक,आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के बीच क्या उस नजरिए का सेतु ज्यों का त्यों खड़ा रह सकता है? बापू ने शिक्षा में श्रम की प्रतिष्ठा पर जोर दिया। उस समय देश की सामाजिक परिस्थितियां ऐसी शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रही थी। इसी तासीर को समझ कर उन्होंने सुझाव दिए कि प्राइमरी शिक्षा में ट्रेडिशनल श्रम आधारित कामों को सिखाया जाना चाहिए। जैसे कुम्हार के पैतृक व्यवसाय वाले बच्चों को मिट्टी के बर्तन, खिलौनो आदि के निर्माण को सिखाना, बढ़ई के पैतृक व्यवसाय वाले बच्चों को कारपेंटर के काम को सिखाना, कृषि आधारित व्यवसाय वाले बच्चों को कृषि, बागवानी आदि को सिखाना। ताकि बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के बाद श्रम करने से जी न चुराएं और मानव श्रम आधारित अपने पैतृक व्यवसाय को आगे ले जाएं। आज के परिदृश्य में देश की तासीर वैसी नहीं रही है। परंपरागत पैतृक व्यवसाय श्रम आधारित नही रह गए है।अब संसाधनों की उपलब्धता है और मशीनरी का युग है। तब श्रम आधारित शिक्षा पर ही ज़ोर देना कितना उचित होगा? इसे दूसरे तरह से सोचने पर यह ज़रूर लगता है कि बापू के सुझावों को अबके समय के हिसाब से बदलाव करके मान्यता दी जानी चाहिए।

राहुल गांधी ने हरियाणा में विजय संकल्प रैली में एक महत्वपूर्ण बात कही कि सम्मान जरूरी है, लेकिन गरीब की जेब में अगर पैसे नहीं हैं, तो फिर सम्मान का क्या मतलब। राहुल गांधी को सत्ता का मोह नहीं है, वो किसी पद के आकांक्षी नहीं हैं, इसलिए जब वो गरीबों के हितों की बात करते हैं, तो उसमें बनावटीपन नहीं दिखता, सच्चाई नजर आती है।

अमृतकाल में भुखमरी

सर्वमित्रा सुरजन

चेन्नई में बंगाल से गए एक मजदूर की मौत हो गई, क्योंकि उसके पास खाने के लिए एक दाना नहीं था और छह दिनों से वो भूख से तड़प रहा था। अंग्रेजी अखबार द हिंदू की खबर है कि प.बंगाल से 12 किसान मजदूर 3 सौ रूपए रोजी के वादे पर तमिलनाडु लाए गए थे। अच्छे काम और पैसे के झांसे में आकर ये मजदूर जब चेन्नई पहुंचे, तो यहां इन्हें न काम मिला, न पैसे और न लौटने का कोई साधन इनके पास बचा था।

अगर तस्वीरें बोल सकतीं, मूर्तियां हिलने-डुलने में सक्षम होतीं, तो महात्मा गांधी अपने जन्मदिन पर हाथ जोड़कर नरेन्द्र मोदी समेत संघ की मानसिकता में पोषित तमाम नेताओं से विनती करते कि वे बेशक नाथूराम गोडसे की जय जयकार कर लें (जिसने उन पर तीन गोलियां दागीं), लेकिन उनके (गांधी के) आगे दिखावे के लिए हाथ न जोड़ें। क्योंकि गांधी की मूर्ति पर माला चढ़ाने या उन्हें प्रणाम करने का तब तक कोई अर्थ नहीं है, जब तक उनके आदर्शों पर चलने की नीयत न हो। गांधीजी ने ऐसे आजाद भारत की कल्पना की थी, जिसमें आखिरी कतार के आखिरी व्यक्ति की आंख से आंसू पोंछे जाएं। यानी जो समाज में सबसे गरीब, पीड़ति और शोषित लोग हैं, उनकी पीड़ा को दूर करने का काम सरकार करे, तभी आजादी का मतलब है। लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार में गरीबों की पीड़ा बढ़ती ही जा रही है और अब भूख से मौत जैसी भयावह हकीकत समाज देख रहा है। चेन्नई में बंगाल से गए एक मजदूर की मौत हो गई, क्योंकि उसके पास खाने के लिए एक दाना नहीं था और छह दिनों से वो भूख से तड़प रहा था। अंग्रेजी अखबार द हिंदू की खबर है कि प.बंगाल से 12 किसान मजदूर 3 सौ रूपए रोजी के वादे पर तमिलनाडु लाए गए थे। अच्छे काम और पैसे के झांसे में आकर ये मजदूर जब चेन्नई पहुंचे, तो यहां इन्हें न काम मिला, न पैसे और न लौटने का कोई साधन इनके पास बचा था। रेलवे स्टेशन पर ये मजदूर पिछले एक हफ्ते से बैठे हुए थे और भूख से तड़प रहे थे। जिसमें से एक ने आखिरकार दम तोड़ दिया और एक की हालत अभी नाजुक बताई जा रही है। भुखमरी से इस मौत के बाद प्रशासन हरकत में आया और अब बाकी मजदूरों को बचाया गया है। मृतक की पहचान समर खान के रूप में की गई है।

इस नाम के बाद अब भुखमरी से मौत के इस संगीन मामले को किस हद तक तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है, इसकी कोई कल्पना नहीं की जा सकती। क्योंकि भाजपा के दस सालों के शासनकाल में अकल्पनीय चीजें भी सच होने लगी हैं। आंखों की शरम का जो वाक्यांश हुआ करता था, वह अब लगभग गायब है। इसलिए अरबपतियों की शादी में हाथी के लिए बनी खिचड़ी को खाकर पत्रकार धन्य होते हैं। प्राइम टाइम में हिंदू-मुसलमान पर तीखीं झड़पें करवाते हैं। किसी के घर के फ्रिज में रखे मांस के नाम पर उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है। सरकारें प्रसाद में बने लड्डू को प्राथमिकता की सूची में सबसे पहले रखती हैं। तिरूपति में बने लड्डू शुद्ध घी के थे या उनमें जानवर की चर्बी मिली थी, इस पर 11 दिन का प्रायश्चित करने की विलासिता सरकार में बैठे लोगों के पास हो सकती है, लेकिन भूख से मरते आदमी के लिए शुद्धता या मिलावट से बड़ा सवाल उस रोटी का है, जो उसके हिस्से की थी, उसे पूरे हक और सम्मान से मिलनी चाहिए थी, लेकिन फिर भी उसे नहीं मिली।

राहुल गांधी ने हरियाणा में विजय संकल्प रैली में एक महत्वपूर्ण बात कही कि सम्मान जरूरी है, लेकिन गरीब की जेब में अगर पैसे नहीं हैं, तो फिर सम्मान का क्या मतलब। राहुल गांधी को सत्ता का मोह नहीं है, वो किसी पद के आकांक्षी नहीं हैं, इसलिए जब वो गरीबों के हितों की बात करते हैं, तो उसमें बनावटीपन नहीं दिखता, सच्चाई नजर आती है। राहुल गांधी ने ऊंचे मंचों पर चढ़कर अमृतकाल, विकसित भारत, पचास साल बाद के भारत का प्रवचन नहीं किया, बल्कि देश के चारों दिशाओं की यात्रा की है, हजारों किमी पैदल घूमे हैं, लोगों के बिल्कुल बीच में जाकर उनसे बात की है। इसलिए वो जानते हैं कि इस देश के लोगों के दुख-दर्द क्या हैं। इस दर्द का इलाज भी वो बता रहे हैं कि दो-तीन लोगों के हाथों में देश की पूरी संपत्ति देने की जगह इस पर सबकी बराबरी की हिस्सेदारी होनी चाहिए। हिस्सा किस तरह बांटा जाए, इसका समाधान जातिगत जनगणना से हो सकता है, ऐसा उनका विचार है। अगर भाजपा को या किसी और दल को इस सुझाव पर आपत्ति है, तो वह इससे बेहतर कोई उपाय पेश करे। लेकिन केवल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उठाए मुद्दों और दिए गए सुझावों का विरोध करने से तो समस्याएं सुलझेंगी नहीं।

सत्ता के ग्यारहवें साल में भी प्रधानमंत्री देश के गरीब और पिछड़े लोगों का जीवन स्तर ऊंचा करने के लिए वादे ही किए जा रहे हैं। 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त देने की योजना को भाजपा अगर अपनी उपलब्धियों में गिनती है, तब भी उससे सवाल किया जा सकता है कि ये पांच किलो अनाज समर खान और उनके साथियों तक क्यों नहीं पहुंचा। अब तक बेरोजगारी, कर्ज, परीक्षा में असफलता जैसे कारणों से होने वाली आत्महत्याएं समाज के लिए चिंता का विषय थीं। इस बीच कई घंटों के काम और नौकरी के कारण होने वाले तनाव से मौत की खबरें आईं। इन सबका उपाय सरकार के पास नहीं है और अब भुखमरी से मौत का मामला सामने आया है।

चूंकि तमिलनाडु और प.बंगाल दोनों जगह भाजपा की सरकार नहीं है, इसलिए भूख से मौत की खबर को दबाने या इसे फर्जी ठहराने की कोशिश अब तक नहीं हुई है। बल्कि प.बंगाल के राज्यपाल आनंद बोस ने इसके लिए ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। इसमें एम के स्टालिन की सरकार को किस तरह घेरा जाएगा, यह भी देखना होगा। लेकिन भाजपा को याद रखना चाहिए कि दूसरे दलों पर उंगली उठेगी तो उस पर भी सवाल खड़े होंगे। जब हर साल 2 करोड़ रोजगार का वादा था, किसानों की आय दोगुनी होने का दावा था, किसान सम्मान निधि के नाम पर जय-जयकार करवाई जा रही है, तब काम की तलाश में प.बंगाल से तमिलनाडु जाने की मजबूरी क्यों हो रही है, इसका जवाब नरेन्द्र मोदी को देना ही चाहिए। देश के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताने वाले नरेन्द्र मोदी अपने परिजन की भूख से मौत पर विचलित हो रहे हैं या नहीं, ये उन्हें बताना चाहिए। गांधीजी होते तो शायद ऐसी किसी घटना पर प्रायश्चित स्वरूप उपवास पर बैठ जाते। आज भी उनकी आत्मा शायद यह देख कर दुखी हो रही होगी कि उनकी जयंती पर लाखों रुपए खर्च करके भव्य कार्यक्रम हो रहे हैं और जिनके आंसू पोंछने की बात वे करते थे, उनके लिए भुखमरी के हालात हैं। मुंह में राम, बगल में छुरी की लोकोक्ति आज गांधी के संदर्भ में बिल्कुल खरी उतरती है। नाथूराम गोडसे ने किन लोगों के साथ, किन लोगों की मदद से और किनकी विचारधारा से प्रेरित होकर गांधी जी की हत्या की, यह खुला सच है। आज वही गोडसेवादी अखबारों और टीवी चैनलों में गांधी जयंती पर बड़े-बड़े इश्तिहार दे रहे हैं। मुंह से गांधीजी का नाम ले रहे हैं, और दिल में गोडसे के विचारों को पाल रहे हैं। इतनी चालाकी पर्याप्त नहीं थी, तो दस सालों में गांधी के विराट व्यक्तित्व को स्वच्छता के विचार तक सीमित करने की कोशिश की गई। आज भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ भारत दिवस मनाते हुए गांधीजी के स्वच्छता संबंधी विचारों को याद कर रहे थे। भाजपा के कुछ विज्ञापनों में स्वच्छता को सेवा मानने के विचार के जरिए नरेन्द्र मोदी को महात्मा गांधी के समतुल्य दिखाने की चेष्टा की गई।

अजब-गजब

इंटरव्यू में रिक्रूटर की गलती पकड़कर महिला ने डबल करवा ली सैलरी, इस गलती का मिला फायदा

किसी भी नौकरी को हासिल करने के लिए आपको इंटरव्यू देने की जरूरत होती है और इंटरव्यू की तैयारी नौकरी के डिसक्रिप्शन को देखने के बाद की जाती है। जिससे पता चल पाए कि नौकरी कैसी और करने लायक है कि नहीं। हालांकि ज्यादातर लोग डिसक्रिप्शन में ही अटक जाते हैं और नौकरी उनके हाथों से निकल जाती है। जबकि जिन लोगों को डिसक्रिप्शन की समझ होती है वो अपना खेल यही खेल जाते हैं और इंटरव्यू में कमाल कर जाते हैं।

ऐसा ही एक किस्सा इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है, जहां एक महिला ने जॉब डिसक्रिप्शन और अपने दशकों के अनुभव से ऐसा कमाल किया कि उसकी सैलरी दोगुनी हो गई। मिरर में छपी रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क की रहने वाली महिला के पास दशकों का अनुभव है। उसे पता है कि उसकी एक्सपर्टीज क्या है। ऐसा इसलिए क्योंकि वो महिला को मार्केटिंग सेक्टर में दशकों का अनुभव था। वह सालों तक हाई-प्रेशर वाले वातावरण में काम कर चुकी है, लेकिन अब उसे जीवन में कुछ ठहराव चाहिए। इसलिए वह ऐसी नौकरी की तलाश कर रही थी, जहां कम तनाव हो।

यही कारण था कि उसने इस नौकरी के लिए अप्लाई किया, लेकिन इंटरव्यू के दौरान उसे पता चला कि उसकी इस नौकरी में इंटरनेशनल टूर भी शामिल है। इसके बाद महिला ने जवाब देते हुए कहा कि यात्रा के दौरान जो समय मैं सफर में बिताऊंगी, उससे प्रति घंटे की सैलरी दर लगभग कुछ भी नहीं रह जाएगी। यही कारण है कि मुझे सैलरी अब दोगुनी चाहिए। रिक्रूटर ने जवाब दिया-कॉर्पोरेट की दुनिया में ऐसा नहीं होता। आप प्रैक्टिकल बातें नहीं कर रही हैं।

इस पर महिला ने कहा कि आपको जॉब डिसक्रिप्शन में इन बातों का जिक्र करना चाहिए था। हालांकि शुरुआत में मुझे ऐसा लगा कि मेरी इन बातों को सुनकर रिक्रूटर मुझे ये नौकरी नहीं देगा, लेकिन रिक्रूटर ने कहा कि हमें आपकी स्पष्टता बहुत पसंद आई और दुनिया में आपकी तरह बहुत कम लोग होते हैं जो इस तरह की बातें पहले ही क्लियर कर देते हैं। यही कारण है कि हम आपको ये नौकरी देते हैं और यकीनन आप दोगुनी सैलरी डिजर्व भी करती है।

ब्लॉग

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी।

विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्ध 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे।

इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्धिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है।

ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा।

विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024-25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025-26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है। उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित तो करती हैं परंतु आर्थिक प्रगति को धीमा भी कर देती है जिससे रोजगार के अवसरों में कमी भी दृष्टिगोचर होती है।

उक्त वर्णित वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 के अनुसार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों के योगदान से वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अतुलनीय आर्थिक विकास दर हासिल की है, यह आर्थिक विकास दर देश में मानसून व्यवधानों के कारण कृषि क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि में आई कमी के बावजूद हासिल की गई है। साथ ही, भारत में व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के चलते सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय घाटे में कमी हासिल की जा सकी है। विशेष रूप से भारत में व्यापार घाटा भी कम होता दिखाई दे रहा है, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिरता लाने में योगदान मिला है।

जलवायु परिवर्तन के कारण भी विश्व के कई देशों में बाढ़, सूखा एवं तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता और प्रबलता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस तरह की आपदाएं बुनियादी ढांचे, निवास स्थानों एवं व्यवसाओं को व्यापक क्षति पहुंचा रही हैं। साथ ही, यह कृषि उत्पादन को भी बाधित कर रही है, जिससे खाद्यान के उत्पादन में कमी एवं इनकी कीमतों में वृद्धि होती दिखाई दे रही है। इससे सरकारी वित्त व्यवस्था पर भी अतिरिक्त भार पड़ रहा है।

यूपी से बिहार ले जाई जा रही थी 12 लाख रुपये की शराब, पुलिस ने कर दिया प्लान फेल, 11 अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में 11 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये लोग शराब की बड़ी खेप को बिहार ले जा रहे थे। बिहार में शराब बैन है, तस्कर वहां अवैध रूप से शराब सप्लाई कर महंगी कीमतों पर बेचते हैं। इस बार भी इनका यही इरादा था। लेकिन पुलिस ने शराब तस्करों का प्लान फेल कर दिया। 12 लाख कीमत की शराब पुलिस ने जब्त की है।

मामला बिहार के बॉर्डर के पास भांवरकोल और करीमुद्दीनपुर इलाके का है। यहां भांवरकोल पुलिस ने एक ट्रक में दो तस्करों के साथ करीब 6 लाख रुपए की अंग्रेजी शराब बरामद की। तो वहीं करीमुद्दीनपुर पुलिस ने तीन वाहनों में करीब 6 लाख रुपए की शराब के साथ नौ लोगों को गिरफ्तार किया। जहां पूरे देश में 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती मनाई जा रही थी। इस दिन शराब की बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध होता है। बावजूद इसके शराब तस्कर अपना ये काम करने में जुटे हुए थे। इसी दौरान करीमुद्दीनपुर पुलिस और आबकारी टीम को जानकारी हुई कि जोगा मुसाहिब गांव में तीन वाहनों में शराब रखकर बिहार पहुंचाने की तैयारी है। जानकारी पर आबकारी टीम और पुलिस विभाग ने छापेमारी की तो यहां से कुल 82 पेटियां शराब की बरामद की गईं। कुल 712 लीटर शराब बरामद की गई। इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है।

महंगी कीमत में बेचनी थी शराब

यह सभी शराब बिहार प्रांत में ले जाकर उसे महंगे दामों पर बेचे जाने की तैयारी थी। इस मामले में पुलिस ने अमरनाथ राय, सद्दाम, आदित्य, मनीष, दुर्गेश, समीर, अमित राय उर्फ गोल्डन राय, सनी सिंह और जयकुमार सिंह को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, बिहार की सीमा से सटे भांवरकोल में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने ट्रक से 6 लाख रुपये कीमत की शराब जब्त की। मुखबिर ने उन्हें इसकी सूचना दी थी। शराब तस्कर राजेश कुमार राय और छोटक उर्फ टुकडु को गिरफ्तार किया।

क्या बोले एसपी ग्रामीण?

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने बताया कि दोनों थाना क्षेत्र में 11 तस्करों के साथ भारी मात्रा में शराब पकड़ी गई है और इन लोगों को विधि कार्रवाई कर जेल भेजने के साथ ही इनके अन्य नेटवर्क को भी खाना जा रहा है।

यूपी में ऐसे दफ्तर पहुंचे सरकारी बाबू तो खैर नहीं, नहीं लगेगी अटेंडेंस

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नया आदेश जारी किया है। सरकारी विभागों में बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के गाड़ी चलाए जाने पर उनके खिलाफ सख्ती बरती जाएगी। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सरकारी विभागों के कार्यालयों में निर्देश जारी किया है। हेलमेट पहनने या सीट बेल्ट नही बांधने के दोषी पाए जाने पर अधिकारी या कर्मचारी को उस दिन की हाजिरी काट ली जाएगी।

मुख्य सचिव के निर्देश पर प्रदेश में 15 दिन का सड़क सुरक्षा अभियान बुधवार से शुरू हो गया है। प्रदेश भर में सर्वाधिक दुर्घटना मृत्यु वाले 50 ब्लैकस्पॉट चिह्नित किए जाएंगे। साथ ही मुख्य सचिव ने निर्देश जारी किए हैं कि सरकारी कर्मियों ने हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं लगाई तो कार्यालय में

अनुपस्थिति दर्ज होगी।

यातायात व सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता अभियान

हेलमेट और सीटबेल्ट लगाने के अभियान की शुरुआत सरकारी बाबुओं से हुई है और ये लोगों में जागरूकता पैदा करने की एक सकारात्मक कोशिश है। मुख्य सचिव ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं व उसमें होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या राज्य सरकार के लिए चिंता का सबब है। इसमें कमी लाना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। लोगों को यातायात व सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करके इसमें कमी लाई जा सकती है।

खतरनाक सड़कें होंगी चिह्नित

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिलों में तीन या अधिक सड़क दुर्घटना मृत्यु वाले मामलों की जांच के लिए एक जिला स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया जाए। समिति जिले की खतरनाक सड़कों को चिह्नित करेगी। नगर विकास विभाग सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगवाए। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम वाले शहरों और एक्सप्रेसवे पर कैप्चर किए गए यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में शत-प्रतिशत चालान किया जाए।मुख्य सचिव ने कहा कि पखवाड़े के दौरान रोजाना सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों, खराब वाहनों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए और लगातार गश्त की जाए।

मंदिर के सेवादार ने किया था वेज ऑर्डर, खाने के बाद पता चला एग रोल है... मचा बवाल

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मंदिर के सेवादार को ऑनलाइन वेज रोल ऑर्डर करने पर एग रोल भेज दिया। सेवादार ने उसे वेज समझकर खा लिया। खाते में जब स्वाद अटपटा लगा तो उन्हें मालुम हुआ कि रोल वेज नहीं है। एग रोल में पनीर लगाकर उन्हें भेजा गया था। इसकी शिकायत उन्होंने दुकान पर जाकर की तो हंगामा हो गया। जिस दुकान से वेज रोल का ऑर्डर किया था उसका संचालक दूसरे समुदाय का है। पीड़ति ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। नवरात्रि से एक दिन पहले हुई इस लापरवाही से सेवादार नीतीश और उनके साथियों ने विरोध जताया। नीतीश का कहना है कि उसने अपने खाने के लिए दूसरे समुदाय द्वारा संचालित एक रेस्टोरेंट से ऑनलाइन वेज रोल ऑर्डर किया था। ऑर्डर डिलीवर होने के बाद जब नीतीश ने वेज रोल खाया तो उसका स्वाद थोड़ा

अलग सा लगा। उसने उस रोल को चेक किया तो पता चला वो वेज रोल नहीं बल्कि एग रोल है जिसमे पनीर डाला हुआ था।

मंदिर के सेवादार ने ऑर्डर किया वेज रोल

उत्तर प्रदेश में आए दिन ऐसी खबरें सामने आ रही हैं। ऑनलाइन ऑर्डर में लापरवाही बरती जाती है। वेज की जगह नॉन वेज खाना भेज दिया जाता है। ऐसी ही लापरवाही मेरठ के सदर थाना क्षेत्र में सामने आई। यहां मंदिर के सेवादार ने खाने के लिए वज रोल ऑर्डर किया था लेकिन रेस्टोरेंट से उसे एग रोल भेज दिया गया। उसे वेज रोल समझकर खाने के बाद सेवादार नीतीश अपने साथियों के साथ रेस्टोरेंट पर गया। नीतीश का कहना है कि रेस्टोरेंट पर करने वाले कर्मचारी भी दूसरे समुदाय से है।

एग रोल आने पर मचा हंगामा

सेवादार ने आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत की है कि ये दुकान बिना फूड लाइसेंस और बिना जीएसटी नंबर के संचालित की जा रही है। सेवादार ने बताया कि बुधवार की रात करीब 10 बजे वेज रोल ऑर्डर किया था। आर्डर मिलने के बाद उसने जब वेज रोल को खाया तो अटपटा लगा। जिसकी जांच करने के बाद पता चला कि एग रोल के अंदर पनीर के टुकड़े डालकर दे दिए गए। सेवादार का कहना है कि वह अपने साथियों को लेकर दुकान पर गया और विरोध जताया तो वहां मौजूद लोगों ने उल्टा उसे धमकाया। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सर्प के काटने से महिला समेत अधेड़ की मौत

चित्रकूट। अलग-अलग जगह पर महिला समेत अधेड को विषैले सर्प ने कट लिया। जिससे दोनो की मौत हो गई। पुलिस ने दोनो शवो का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। घटना से परिजनों मे कोहराम मच गया। पहली घटना रैपुरा थाना क्षेत्र के चीफुला कौबरा गांव की है। बताया गया कि आशा देवी (50) पत्नी रामेश्वर गुरुवार की सुबह अपने खेत मे सब्जी तोड़ रही थी। तभी सर्प ने कट लिया। जब परिजनों को पता चला तो उसे आनन फानन झाड़फूक के लिए ओझाओ के पास ले गये। जहां हालत मे कोई सुधार न होने पर परिजन जिला अस्पताल लाए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों मे कोहराम मचा है। मृतका के दो पुत्री, एक पुत्र है। इसी क्रम मे मऊ थाना क्षेत्र के बरवार गांव निवासी समयलाल पुत्र सुंदरलाल को गुरवार की सुबह खेतो मे कृषि कार्य करने के दौरान सर्प ने काट लिया।

हाथरस भगदड़ कांड : चार्जशीट में नहीं भोले बाबा का नाम, योगी सरकार पर भड़कीं मायावती, 121 की गई थी जान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीम मायावती ने हाथरस भगदड़ कांड को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला है क्योंकि यूपी पुलिस की चार्जशीट में सूरजपाल सिंह उर्फ भोले बाबा का नाम नहीं है। इस मामले में यूपी पुलिस ने 3200 पन्ने की चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में 11 लोगों के नाम हैं लेकिन भोले बाबा का नाम गायब है। इसी बात को लेकर मायावती ने योगी सरकार पर हमला बोला है। इस भगदड़ में 121 की जान चली गई थी।

बसपा चीफ मायावती ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि यूपी के हाथरस में 2 जुलाई को हुए सतसंग भगदड़ कांड में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। यूपी पुलिस की चार्जशीट में सूरजपाल सिंह उर्फ भोले बाबा का नाम गायब है। चार्जशीट में उसका

नाम नहीं होना ये जनविरोधी राजनीति है। इससे साबित है कि ऐसे लोगों को राज्य सरकार का संरक्षण है, जो सही नहीं है।

मायावती ने आगे कहा कि इस दर्दनाक घटना को लेकर 2300 पेज की चार्जशीट में 11 सेवादारों को आरोपी बनाया गया है, लेकिन इसमें बाबा सूरजपाल का नाम नहीं है। इस घटना को लेकर सरकार द्वारा पहले की तरह चुप्पी क्या उचित? ऐसे सरकारी रवैये से ऐसी घटनाओं को क्या आगे रोक पाना संभव?

क्या था मामला?

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में इस साल 2 जुलाई को नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल उर्फ भोले बाबा का एक सत्संग हुआ था। इस सत्संग में अचानक से भगदड़ मच गई, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई घायल हो गए थे। मरने वालों में सबसे ज्यादा संख्या महिलाओं और बच्चों की थी। इस मामले में यूपी पुलिस ने अब जाकर चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है लेकिन सूरजपाल उर्फ भोले बाबा का नाम चार्जशीट में नहीं है।

कमरे से निकलने पर न कर पाएं पीछा इसलिए चोरों ने बाहर बिछा दिए कांटे... फिर लूट लिया पूरा घर

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के भांवरकोल के कुंडेश्वर गांव में चोर छत के रास्ते घर में चोरी करने पहुंचे। कमरे में सो रहे लोग बाहर न आएं इसलिए लोग, जिस रूम में सो रहे थे, उसे बाहर से बंद कर दिया। उसके बाद फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद भी जाते-जाते चोरों ने एक और कारनामा किया। उन्होंने घर से निकलते वक्त उस घर के बाहर से कुछ दूरी तक कांटे बिछा दिए, ताकि उस घर तक आसानी से लोग ना पहुंच पाएं और उनकी चोरी की पोल कम से कम सुबह तक न खुल जाए। पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। पुलिस चोरों को खोज रहे हैं।

भाबरकोल के कुंडेश्वर गांव में मंगलवार की रात जब पूरा परिवार अपने सभी कामों को निपटाकर सोने के लिए अपने-अपने कमरों में चला गया। तब रात में चोर छत के सहारे घर में घुसे और नगदी और लाखों रुपए के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने इसके लिए घर में घुसते ही एक तरकीब अपनाई। वो जिस-जिस कमरे में लोग सो रहे थे, उस कमरों को बाहर से बंद कर दिया और उसके बाद एक कमरा, जिसमें ताला लगा हुआ था। उसमें घर के सभी जरूरी सामान जेवरात और नगदी रखे हुए थे। उसका ताला तोड़ा और दो बक्सों और दो बैग को उठा ले गए। इसी दौरान चोरों ने उस घर से निकलने के बाद उसके दरवाजे से लेकर कुछ दूरी तक रास्ते में कांटे भी बिछा दिए। ताकि, आसानी से लोग वहां न पहुंचे बता दे कि गांव के रहने वाले सुरेश शर्मा के घरवाले सभी अपने कमरे में सो रहे थे। इस वक्त चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया।

प्रयागराज : फूलाते समय फटा गुब्बारा, 3 साल बच्ची की हो गई मौत, डॉक्टर ने बताई ये वजह

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में जिस गुब्बारे से तीन साल की मासूम खेल रही थी, वही गुब्बारा उसकी जान का दुश्मन बन गया। मामला जिले के गंगानगर के लाल गोपालगंज का है, जहां खेलते समय गुब्बारा फटने से तीन साल के मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई है। डॉक्टर ने बताया कि बच्चे की मौत श्वांस नली में गुब्बारे के टुकड़े फंसने की वजह से हुई है।

गुब्बारे से खेलते हुए बच्चे की मौत का पूरा मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला इमामगंज का है। फतूहां गांव के निवासी इमरान अहमद की पत्नी नाज बानो अपनी तीन साल की इकलौती बेटी सायरा के साथ मायके आई हुई थी। सायरा के नाना रईस अहमद ने नतिनी को खेलने के लिए गुब्बारा लाकर दिया। मासूम सायरा गुब्बारा मिलते ही खुश होकर उससे खेलने लगी, तभी अचानक से

गुब्बारा फूट गया और सायरा तड़पते हुए नीचे गिर गई।

नीचे गिरते ही सायरा के मुंह से झाग आने लगा, जिसे देख परिवार के लोग डर गए और उसे आनन-फानन में नजदीकी निजी अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जिस गुब्बारे को लेकर सायरा खुशी से झूम रही थी, किसी को भी नहीं पता था कि वही गुब्बारा मासूम बच्ची की मौत का कारण बन जाएगा। बच्ची की मौत गुब्बारे टुकड़े के सांस लेने वाली नली में फंसने से हुई है।

सांस लेने वाली नली में फंसा गुब्बारा

गुब्बारा बच्ची की सांस लेने वाली नली में चिपक गया था। जिस कारण से उसको सांस लेने में परेशानी होने लगी और बाद में उसकी मौत हो गई। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के ENT विभाग के हेड डॉक्टर सचिन जैन का कहना है कि अक्सर बच्चे गुब्बारे को मुंह के पास ले जाकर फुलाते या फोड़ते हैं। इससे गुब्बारे की हवा और उसके हिस्से सांस की नली में जाकर फंस जाते हैं, जिससे बच्चे सांस नहीं ले पाते। इस केस में भी ऐसा ही जान पड़ता है।

'खेलते समय बच्चों पर रखें नजर'

घर के लोगों को चाहिए कि खेलते समय बच्चों पर भी नजर रखें। कोई ऐसी वस्तु बच्चों के हाथ में न दें, जो घातक साबित हो। चाहे वह गुब्बारा हो या कंचे हो या फिर सिक्के, बच्चों को इनसे दूर रखें।

घाट किनारे पक रहा था नॉन वेज, लोगों को शक हुआ तो पुलिस को बुलाया, कुकर का ढक्कन खोलते ही...

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में पुलिस ने दो शिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों घाट किनारे बैठ कर कछुए का मांस पका रहे थे। स्थानीय लोगों को उन पर शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही शिकारी पहले तो भागने लगे। लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। फिर जैसे ही कुकुर का ढक्कन खोला तो पुलिस वालों के भी होश उड़ गए। कुकुर में कछुए का मांस था।

पुलिस ने तुरंत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना गढ़मुक्तेश्वर में ब्रजघाट की है। ब्रजघाट के पास पलवाड़ा रोड पर लोगों ने दो युवकों को नॉन वेज पकाते देखा। लेकिन उसकी बदबू बहुत ही अजीब थी। गांव वालों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। गढ़मुक्तेश्वर पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई और दोनों युवकों को दबोच लिया। पूछताछ में युवकों ने अपने नाम मुकेश और ओमपाल निवासी लखीमपुर और राजस्थान का रहने वाला बताया।आरोपियों ने माना कि वो कछुए का शिकार करने के बाद उसकी करी बना रहे थे। गढ़ कोतवाली के इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने बताया- वन विभाग की तहरीर पर दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की तैयारी है। इससे पहले भी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस ने 10 कछुओं की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। मई महीने में भी बाराबंकी पुलिस ने 6 तस्करों को गिरफ्तार किया था, जो कछुओं के बंगाल लेकर जा रहे थे। इनके कब्जे से 4 दुर्लभ प्रजाति के कछुए बरामद हुए थे।

घूंघट की आड़ में पति की जेब से चुराकर खाती थी गुटखा, तलाक मांगा तो बोली– मैं तो बस थोड़ा सा चखती हूं

आर्यावर्त क्रांति

आगरा। क्या कभी सोचा है कि पति-पत्नी के तलाक का कारण एक गुटखा बनेगा? जी हां ये बिल्कुल सच है. ऐसा अनोखा मामला उत्तर प्रदेश के आगरा से सामने आया है. यहां पति ने पत्नी की गुटखा चुराकर खाने की लत से परेशान होकर उससे तलाक मांग लिया. पत्नी भी जिद पर अड़ी रही. बोली- मैं तो इनकी जेब से बस चखने के लिए गुटखा चुराती हूं. उल्टा ये ज्यादा गुटखा खाते हैं. दोनों की ऐसी बहस देख परामर्श केंद्र वालों ने भी पहले तो अपना ही माथा पकड़ लिया. बाद में उन्होंने क्या फैसला लिया चलिए जानते हैं...

मामला आगरा सिटी का है. साल 2022 में दंपति की शादी हुई थी. पति प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है. पत्नी गृहणी है. शादी के बाद दोनों को दो बच्चे हुए. पति को गुटखा खाने की लत है. उसकी देखा-देखी में पत्नी भी थोड़ा बहुत गुटखा चखने के लिए खा

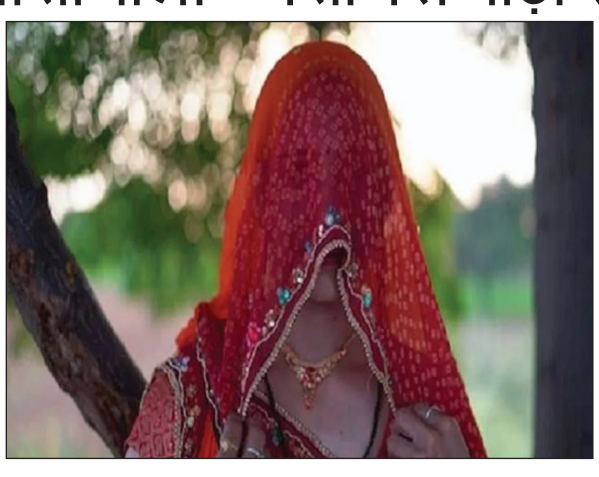

लेती थी. लेकिन मामला तब बिगड़ा जब पत्नी को खुद इसकी बुरी लत मिल गई. आलम ये हुआ कि पत्नी अपने पति की जेब से गुटखा चुराकर खाने लगी.

पति को ये बात बिल्कुल रास न आई. उसने इसके लिए पत्नी को कई बार टोका. पति के बार-बार मना करने के बावजूद पत्नी अपनी इस लत से बाज नहीं आई, जिसके चलते दोनों के बीच झगड़े होने लगे. एक दिन तो गुस्से में आकर पत्नी ने घर ही छोड़ दिया और मायके चली गई. वहां जाकर पत्नी ने पति के खिलाफ मामला दर्ज करवाया. पुलिस ने इस केस को परामर्श केंद्र भेजा. वहां पति कहने लगा कि मुझे तलाक चाहिए क्योंकि ये मेरी जेब से गुटखा चुराकर खाती है.

पत्नी ने दिया ये जवाब

इस पर पत्नी ने जवाब दिया- मैं तो बस चखने के लिए गुटखा खाती हूं. ये तो गुटखे का पूरा स्टॉक ला ला कर घर में रखते थे और सारा का सारा गुटखा खुद चट कर जाते थे. मैंने तो इन्हें कभी इस चीज के लिए नहीं टोका. लेकिन मेरे चुटकी भर गुटखा खाने पर इन्हें आपत्ति है.

काउंसलर की मानी सलाह

काउंसलर डॉ. सतीश खिरवार ने दोनों को गुटखा छोड़ने की सलाह दी और समझाया. अंत में, दोनों ने गुटखा न खाने का वादा किया और समझौता कर लिया. इसके अलावा डॉक्टर सतीश खिरवार ने बताया कि तंबाकू और शराब की लत परिवारों में कलह का सबसे बड़ा कारण बन रहा है.

विजेता छात्र-छात्राएं को जानकारी देते संस्था के निदेशक एवं व्यवस्थापक बलबीर सिंह

पहाड़ी (चित्रकूट)। आयुष्मान बानप्रस्थ विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में शांति देवी इंटर कॉलेज ने बाजी माारी है। आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय में विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली जनपद स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में शान्ती देवी पब्लिक स्कूल और शान्ती देवी इंटर कॉलेज पहाड़ी के छात्र, छात्राओं का विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दबदबा बना रहा। इस प्रतियोगिता में जनपद के 16 उच्च स्तरीय विद्यालयों के लगभग दो हजार छात्र, छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सभी प्रतियोगिताओं में 88 छात्र, छात्राएं विजेता रहे। जिनमें 53 छात्र, छात्राएं शांति देवी इंटर कॉलेज एवं शांति देवी पब्लिक स्कूल से रहे। दो अक्टूबर को अंतिम चित्रकूट इंटर कॉलेज के सभागार में जन समुदाय एवं निर्णायक मंडल की उपस्थिति में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संपन्न हुई।

50 लाख बीमा, चार कारें और 2 बाइक का कराया फाइनेंस... साजिश में महिला की हत्या, डेढ़ साल बाद हुआ खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक महिला को सिर्फ और सिर्फ रुपयों के लिए मोहरा बनाया गया और साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी। महिला बीमार थी, लेकिन एक वकील ने उसकी शादी अपने एक रिश्तेदार के बेटे से करा दी। महिला के घरवाले भी बेटी की शादी हो जाने के बाद से काफी खुश थे, लेकिन किसी को कहां पता था कि ये शादी तो साजिश के तहत की गई है।

शादी के बाद ही महिला के नाम पर 50 लाख रुपये का बीमा कराया गया, इतना ही नहीं उसके नाम से चार कारें और दो बाइक को फाइनेंस कराया गया। जब रुपये मिलने का जुगाड़ परिवारवालों ने कर लिया तो महिला की हत्या का प्लान बनाया और पूजा को साजिश के तहत ले जाया और एक रोड एक्सीडेंट की सूरत देकर उसकी हत्या कर दी। सारी घटनाएं पूरी प्लानिंग की तरह की जा रही थीं, किसी को ससुरालवालों पर शक नहीं हुआ।

बीमा के रुपयों के लिए किया अप्लाई

पूजा की यह दूसरी शादी थी। पूजा की मौत के तीन महीने बाद पति राम मिलन ने अपने उस प्लान को एक्जीक्यूट किया, जिसके लिए उसने पूजा से शादी की थी। उसने बीमा की रकम के लिए बैंक में अप्लाई किया। एक ही महिला के नाम से बीमा और गाड़ियों का इन्श्योरेंस कराया गया था और कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई। बीमा के अधिकारियों ने शक के आधार पर इस मामले में FIR दर्ज कराई, जब पुलिस ने मामले की जांच की तब ससुरालवालों की पोल खुल गई।

मास्टरमाइंड वकील ने रची पूरी साजिश

कुलदीप सिंह नाम के वकील ने राम मिलन की शादी पूजा के साथ कराई थी और उसने ही बीमा का आइडिया भी दिया था। घटना के डेढ़ साल बाद इसका खुलासा हुआ कि पूजा की मौत सड़क दुर्घटना में नहीं हुई थी बल्कि, उसे साजिश के तहत मारा गया था। एडीसी पूर्वी पंकज सिंह ने केस के बारे में बताया कि शादी के समय गवाह रहे दो लोग दीपक और आलोक भी इस घटनाक्रम में शामिल हैं और पूजा की हत्या साजिश के तहत की गई है, जिस समय पूजा का एक्सीडेंट किया गया उस समय मौके पर उसका ससुर भी मौजूद था। इस मामले में पुलिस ने वकील समेत तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पति और ससुर सहित एक और आरोपी फरार हैं।

मौत के बाद शरीर में क्या होता है: कितनी देर जिंदा रहता है ब्रेन, लिवर, शरीर नीला क्यों पड़ता है

अगर हमने अपने ऑर्गन डोनेट किए हैं तो ये हमारी मृत्यु के बाद किसी को जीवन दे सकते हैं। हमारी आंखें नए शरीर में जाकर फिर से खूबसूरत संसार को देख सकती हैं। हमारा दिल किसी और के शरीर में फिर से धड़क सकता है। फेफड़े फिर से सांस ले सकते हैं और हमारी किडनी किसी और के ब्लड से टॉक्सिन्स छान सकती है।

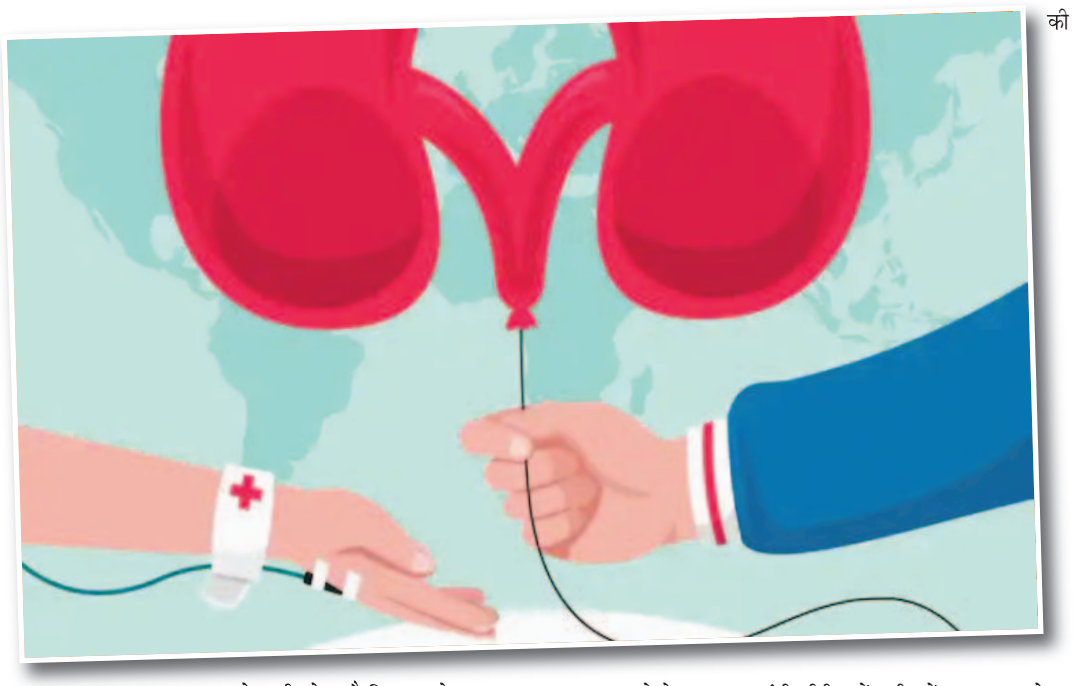

क्या आपने कभी सोचा है कि मृत्यु के बाद क्या होता है? पहली बार में यह आध्यात्मिक सवाल लग सकता है, जिसके बारे में गरुड़ पुराण से लेकर अलग-अलग दर्शन में अलग-अलग जवाब मिल जाएंगे। इनमें बताया जाता है मृत्यु के बाद हमारी आत्मा कैसे-कैसे और किस लोक में जाती है, वहां उसके साथ क्या होता है। लेकिन अगर इस विषय को वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो सवाल और उसके जवाब भी बिल्कुल बदल जाएंगे।

सवाल ये है कि मृत्यु के बाद शरीर का कौन सा अंग कितनी देर तक जीवित रहता है? इस क्षेत्र में हुई वैज्ञानिक रिसर्च से ही यह मुमकिन हुआ कि अब ऑर्गन डोनेशन के जरिए विज्ञान हर साल लाखों लोगों की जिंदगी बचा रहा है।

अगर हमने अपने ऑर्गन डोनेट किए हैं तो ये हमारी मृत्यु के बाद किसी को जीवन दे सकते हैं। हमारी आंखें नए शरीर में जाकर फिर से खूबसूरत संसार को देख सकती हैं। हमारा दिल किसी और के शरीर में फिर से धड़क सकता है। फेफड़े फिर से सांस ले सकते हैं और हमारी किडनी किसी और के ब्लड से टॉक्सिन्स छान सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'मन की बात' के 99वें एपिसोड में अंगदान के महत्व पर बात की थी। इसके पहले हम भी ऑर्गन डोनेशन पर विस्तार से बात कर चुके हैं।

तो आज 'सेहतनामा' में हम बताएंगे कि मृत्यु के बाद हमारे शरीर में क्या होता है। साथ ही जानेंगे कि-

हर घंटा बीतने के साथ शरीर में क्या बदलता है?

शरीर के कौन से अंग कितने घंटे तक जीवित रहते हैं?

शरीर से बाहर निकलने पर कोई अंग कितनी देर तक जीवित रहता है?

मृत्यु के बाद शरीर में क्या होता है? आमतौर पर लोग मृत्यु का मतलब ये समझते हैं कि दिल ने धड़कना बंद कर दिया है। जबकि यह एक पूरी लंबी प्रक्रिया है। दिल की धड़कन थमने के बाद एक लंबी सीरीज में शरीर में बहुत कुछ हो रहा होता है। इस प्रोसेस को डीकंपोजिशन (क्षरण) कह सकते हैं।

मृत्यु के तुरंत बाद क्या होता है? मृत्यु के बाद बीत रहे हर मिनट के साथ सभी अंगों में कुछ बदलाव हो रहे होते हैं। जैसे हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग ब्रेन जीवित रहने के लिए पूरी तरह ब्लड के जरिए मिल रही ऑक्सीजन पर ही निर्भर है। इसलिए दिल की धड़कन बंद होने के कुछ ही मिनटों बाद इसकी मौत हो जाती है। मृत्यु के तुरंत बाद शरीर में क्या बदलाव होते हैं, ग्राफिक में देखिए।

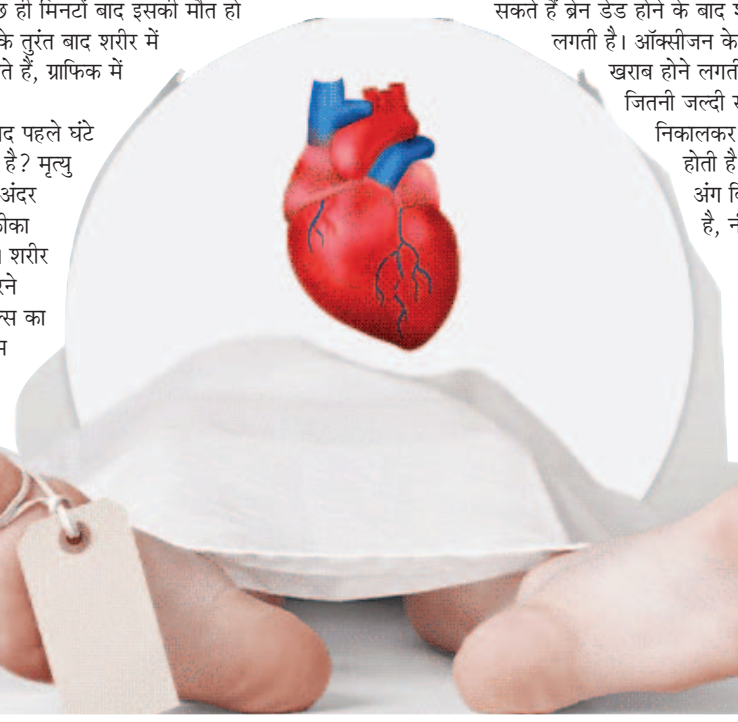

मृत्यु के बाद पहले घंटे में क्या बदलता है? मृत्यु के एक घंटे के अंदर त्वचा का रंग फीका पड़ने लगता है। शरीर का तापमान गिरने लगता है। मसल्स का लचीलापन खत्म होने लगता है। लिवर काम करना बंद कर देता है, लेकिन ऑक्सीजन की कमी के बावजूद भी वह किसी तरह जीवित रहने की कोशिश कर रहा होता है। इसे ट्रांसप्लांट करने के लिए शरीर से तुरंत निकालना और प्रिजर्व करना जरूरी होता है।

मृत्यु के 2 से 6 घंटे के बीच क्या बदलता है? मृत्यु के बाद शुरुआती घंटे में लगभग हर जगह एक जैसी स्थिति होती है। उसके बाद की चीजें मौत के कारण, जलवायु, तापमान जैसे कई कारकों पर निर्भर करती हैं।

मृत्यु के 2 से 6 घंटे बाद शरीर में रासायनिक बदलाव होने लगते हैं, जिससे रिगर मॉर्टिस की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसमें शरीर की मसल्स अकड़ने लगती हैं। सबसे पहले शरीर की सबसे छोटी मसल्स प्रभावित होती हैं। इसका असर पलकों और जबड़े की मसल्स पर होता है।

मृत्यु के 6 से 12 घंटे बाद क्या होता है? मौत के बाद इतना समय बीतने पर पूरे शरीर की मसल्स अकड़कर कठोर हो जाती हैं। इस दौरान शरीर में ऑटोलिसिस नाम की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसमें हमारे शरीर की कोशिकाओं से एक खास एंजाइम निकलता है, जो टिशूज को ब्रेक करना और उसे खाना शुरू कर देता है। इसे ही डीकंपोजिशन कहते हैं। इसका मतलब है कि इस दुनिया में शरीर का मकसद पूरा हो गया है। अब अगर कोई इसकी अंतिम क्रिया नहीं भी करता है तो प्रकृति अपने तरीके से इसको धीरे-धीरे डीकंपोज करके खत्म कर देगी।

इस प्रोसेस के दौरान जब हमारे शरीर के सभी अंग एक-एक करके दम तोड़ रहे होते हैं, अगर इन्हें समय रहते शरीर से बाहर निकाल लिया जाए और प्रिजर्व कर लिया जाए तो ये किसी जरूरतमंद के शरीर में ट्रांसप्लांट किए जा सकते हैं। इससे किसी शख्स को नया जीवन मिल सकता है।

मत्यु के कितनी देर बाद तक ट्रासप्लांट के लिए अंग निकाल सकते हैं ब्रेन डेड होने के बाद शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। ऑक्सीजन के बिना सभी अंगों की फंक्शनिंग खराब होने लगती है। इसलिए इन्हें मत्यु के बाद जितनी जल्दी संभव हो सके, शरीर से बाहर निकालकर जरूरी ऑक्सीजन सप्लाई देनी होती है। शरीर में बने रहकर कौन सा अंग कितनी देर तक जीवित रह सकता है, नीचे दिए ग्राफिक में देखिए।

ट्रैकिंग और कैंपिंग के लिए के लिए बेहतरीन हैं भारत की ये जगहें

घूमना तो बहुत लोगों को पसंद है लेकिन आजकल लोग ट्रैकिंग पर जाना पसंद करते हैं। इस दौरान उन्हें कुछ नया सीखने, एडवेंचर करने और प्रकृति में शांति से समय बिताने का मौका मिलता है। आज हम आपको उत्तराखंड में ट्रैकिंग की फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ट्रैकिंग करना आजकल बहुत लोगों को पसंद है। ये प्रकृति के करीब जाने और अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने का एक बेहतरीन तरीका है। ट्रैकिंग के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों, जंगलों, और प्राकृतिक सुंदरता में चलने का अवसर मिलता है। जहां हम ताजगी भरे वातावरण का आनंद ले सकते हैं। भागदौड़ और टेंशन के बीच कुछ समय के लिए घूमने या ट्रैकिंग पर जाना और वातावरण के बीच समय बिताना मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है। जब हम प्रकृति के करीब होते हैं, तो हमें प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने का मौका मिलता है जो जिससे पॉजिटिविटी मिलती है।

लंबी ट्रैकिंग में कई दिनों तक चलना पड़ सकता है। उच्च ऊंचाई की ट्रैकिंग में पर्वतों की चढ़ाई शामिल होती है, जो व्यक्ति के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो सकती है। जिसके लिए विशेष तैयारी की आवश्यकता जरूरी होती है।

खीरगंगा ट्रैक

धार्मिक स्थल खीरगंगा ट्रैकिंग के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। ये समुद्र तल से लगभग 3000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। खीरगंगा से होते हुए आप पिन पार्वती पास की चढ़ाई की जा सकती है। यहां बहुत से पर्यटक जाते हैं, जो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का एक कारण बनते हैं। अक्टूबर का समय यहां जाने के लिए सही रहेगा। यहां ट्रैकिंग के लिए बहुत से रास्ते हैं। आप यहां पहुंचने के लिए स्थानीय गाइड ले सकते हैं।

डोडीताल ट्रैक

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित डोडीताल भी ट्रैकिंग के लिए बहुत लोकप्रिय है। संगम पट्टी गांव से से इसकी शुरुआत होती है। ट्रैकिंग के समय बर्फ से लदे हुए पेड़, गंगोत्री घाटी की चोटियां दिखाई देंगे। रास्ते में आने वाले कुछ गांव मेंरात बिता सकते हैं।

कुंजा खड़क ट्रैक

उत्तराखंड में कुंजा खड़क ट्रैक की शुरुआत पंगोट से होती है। देवदार के बड़े-बड़े पेड़ों के बीच जंगल से होकर ट्रैक पर जाने के सफर को आप इंजॉय कर सकते हैं। कुंज सड़क पर रापती नदी दिखेगी, जो नेपाल और भारत की सीमा को बांटता है। अक्टूबर इस जगह की ट्रैकिंग के लिए सबसे बेस्ट रहेगा।

सीताबनी ट्रैक

उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट में सीताबनी मंदिर से इस ट्रैक की शुरुआत होती है और भोला मंदिर पर जाकर ये ट्रेक समाप्त होता है। ये घने जंगलों के बीच 8 से 10 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी होगी। रास्ते में घने पेड़ों के अलावा जंगली जानवर जैसे कि शेर, हाथी और भूल दिखाई दे सकते हैं। इसलिए यहां जाते समय कई सावधानी बरतनी चाहिए। आप लोकर गाइड को साथ में लेकर जरूर जाना चाहिए।

बिनसर जीरो पॉइंट

उत्तराखंड काबिनसरभी ट्रैकिंग के लिए एकदम परफेक्ट है। यहां प्रकृति के सुंदर दृश्य के साथ ही आपको कई तरह के पक्षी देखने को मिलेंगे। ये ट्रैकबिनसरवन्यजीव अभयारण्य से होकर जाता है और ये काफी आसान ट्रैक है।

ट्रैकिंग से पहले बहुत सी तैयारी की जानी चाहिए सबसे पहले तो मेडिकल हेल्थ चेकअप करवाना बहुत जरूरी है। इसके बाद सही कपड़ों का चयन, पर्याप्त मात्रा में पानी और खाना लेना और ट्रैकिंग के रास्ते के बारे में पूरी जानकारी लेना जरूरी है। आरामदायक जूते और मौसम के मुताबिक जगह प्लान करना जरूरी है। इसके अलावा, एक मेडिकल किट भी साथ ले जाना चाहिए, क्योंकि कभी-कभी चोट लगने की संभावना रहती है।

उपवास में खाएं ये ऑयल-फ्री हेल्दी स्नैक्स, बॉडी डिटॉक्स और एनर्जी बूस्ट होगी

शारदीय नवरात्रि में व्रत रखना न सिर्फ आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह बॉडी डिटॉक्स का एक बेहतरीन तरीका भी है। न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल के अनुसार, व्रत के दौरान आप भुने मखाने, साबूदाना खिचड़ी, शकरकंद और फल-दही जैसे हेल्दी और ऑयल-फ्री स्नैक्स खा सकते हैं। ये स्नैक्स शरीर को एनर्जी देने के साथ-साथ इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाते हैं।

शारदीय नवरात्रि 3 अक्टूबर से शुरू हो रहे हैं। इस त्योहार को 9 दिन कुछ लोग व्रत भी रखते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो नवरात्रि के दौरान उपवास रखना काफी फायदेमंद होता है। इससे शरीर के टॉक्सिंस आसानी से निकल जाते हैं। दरअसल, नवरात्रि के दौरान बॉडी डिटॉक्स करने का बेहतरीन समय होता है।

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल कहती हैं कि व्रत के दौरान आप डाइट में हेल्दी स्नैक्स को शामिल कर सकते हैं। हेल्दी स्नैक्स खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है। इससे एनर्जी को बूस्ट करने में मदद मिलेगी। हालांकि, अगर आप उपवास रख रहे हैं तो स्नैक्स को लेकर सावधानी बरतने चाहिए। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि नवरात्रि में कौन से ऑयल फ्री स्नैक्स खाने चाहिए।

भुने मखाने

मखाने खाना हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है। उपवास रखा है तो आप इसे खा सकते हैं। आप इसे हल्का सा भूनकर खा सकते हैं।इसमें प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर को सेहतमंद बनाए रखते हैं। भुने हुए मखानों को आप काली मिर्च और सेंधा नमक डालकर टेस्टी बना सकते हैं।

साबूदाना खिचड़ी

नवरात्रि में आप साबूदाना की खिचड़ी खा सकते हैं। इसे बनाना बेहद आसान होता है। इसे बनाना भी बेहद आसान होता है। साथ ही, आप इसमें मूंगफली, आलू और कुछ ड्राई फ्रूट मिला सकते हैं। इस खिचड़ी को आप देसी घी से बना सकते हैं। इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिससे आपको एनर्जी मिलेगी।

शकरकंद

शकरकंद में फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें नैचुरल शुगर पाई जाती हैं। इसे आप अच्छे से उबाल लें। इसके बाद सेंधा नमक और नींबू डालकर खा सकते हैं। यह ऑयल-फ्री स्नैक आपके उपवास को हेल्दी और ताजगी से भर देगा।

फल और दही

अगर आप फलाहार व्रत कर रहे हैं तो सेब, केला और अनार खा सकते हैं। आप इसे दूध और दही के साथ खा सकते हैं।इसमें थोड़ा सा सेंधा नमक और जीरा पाउडर डालें। दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन को सही रखते हैं। फल शरीर को जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स प्रदान करते हैं।

एफडी में मिलेगा शानदार रिटर्न, ये बैंक दे रहे हैं 9 फीसदी का तगड़ा ब्याज

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के लिए सिक्योर ऑप्शन है। कौन-सा बैंक एफडी पर कितना ब्याज दे रहा है ये चेक करने के बाद ही निवेश करना चाहिए। वर्तमान में कई बैंक एफडी पर 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है। कई एफडी स्कीम में सीनियर सिटिजन को ज्यादा ब्याज मिल रहा है। जानते हैं कि कौन-सा बैंक 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है।

सिक्योर निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) काफी अच्छा ऑप्शन है। लोग एफडी में निवेश करके मोटा फंड जमा कर सकते हैं। एफडी में निवेश करने से पहले हमें यह जरूर चेक कर लेना चाहिए कि किस बैंक में ज्यादा ब्याज ऑफर किया जा रहा है।

बता दें कि अभी कई बैंक एफडी पर 9 फीसदी का ब्याज ऑफर कर सकते हैं। यह ब्याज दर तीन साल के टेन्योर और सीनियर सिटिजन के लिए अलग-अलग है। हम आपको उन बैंकों के बारे में बताएंगे जिसमें 9 फीसदी का ब्याज मिल रहा है।

स्मॉल फाइनेंस बैंक

स्मॉल फाइनेंस बैंक भी एफडी पर उच्च ब्याज दर ऑफर करता है।

नॉर्थईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक एफडी पर 9 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है। इस एफडी में निवेश राशि 3 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए।

इसके अलावा सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक भी अपने कस्टमर को एफडी पर 8.6 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक एफडी करवाने पर 8.5 फीसदी का ब्याज मिलता है।

जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 8.25 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है। यह ब्याज दर तीन साल के टेन्योर वाले एफडी पर मिल रहा है।

यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक एफडी पर 8.15 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है।

रखें इन बातों का ध्यान

स्मॉल फाइनेंस बैंक की एफडी में निवेश करने से पहले आपको सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार आपको उन स्मॉल फाइनेंस बैंक के एफडी में निवेश करना चाहिए जिसे DICGC (डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन) कवर करती है। ऐसे में आपके निवेश राशि सुरक्षित रहेगा, क्योंकि DICGC हर एफडी अकाउंट पर 5 लाख रुपये की सिक्योरिटी मुहैया करता है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एफडी स्कीम

भारतीय स्टेट बैंक कई स्पेशल एफडी स्कीम चला रहा है। इस एफडी स्कीम में हाई इंटरेस्ट ऑफर किया जाता है। इस स्कीम की खास बात है कि यह भारतीय निवासी के साथ एनआरआई और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी उपलब्ध है।

एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी योजना में 444 दिन के टेन्योर वाली एफडी पर 7.10 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रही है। वहीं सीनियर सिटिज को 7.60 फीसदी ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में 31 मार्च, 2025 तक निवेश कर सकते हैं।

एसबीआई की अमृत एफडी स्कीम में 400 दिन के टेन्योर वाले एफडी पर 7.10 फीसदी का ब्याज मिल रहा है। इस स्कीम में सीनियर सिटीजन को 7.60 फीसदी का ब्याज मिलता है। इस स्कीम में 30 सितंबर 2024 तक निवेश कर सकते हैं।

क्या निवेशकों के लिए फायदेमंद है सेबी का न्यू असेट क्लास?

सेबी ने नए एसेट क्लास को मंजूरी दे दी है। सेबी के बोर्ड की हाल में हुई मीटिंग में नए असेट क्लास/इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट के लिए रास्ता साफ कर दिया गया है। मार्केट रेगुलेटर का कहना है कि यह प्रोडक्ट म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज के बीच की खाई को पाट देगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपनी बोर्ड मीटिंग में नए असेट क्लास/इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट के लिए रास्ता साफ कर दिया है। सेबी की ओर से जारी डिटेल में कहा गया है कि यह प्रोडक्ट म्यूचुअल फंड (MF) और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (PMS) के बीच की खाई को पाट देगा।

क्या होगा फायदा?

म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट विजय मंत्री कहते हैं कि अभी तीन मुख्य इन्वेस्टमेंट ऑप्शन हैं। इनमें म्यूचुअल फंड, PMS (इसमें मिनिमम निवेश 50 लाख रुपये तक है) और तीसरा है अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट (मिनिमम इन्वेस्टमेंट एक करोड़ रुपये) है। नया असेट क्लास म्यूचुअल फंड और PMS के बीच की खाई को भर देगा। निवेशकों को 10 लाख रुपये से 50 लाख रुपये के बीच निवेश के लिए एक ऑप्शन प्रदान करेगा। इसमें फंड मैनेजर की रणनीति ट्रेडिशनल म्यूचुअल फंड के निवेश की रणनीति से अलग होगी।

क्या है मकसद?

नए प्रोडक्ट का मकसद अनरजिस्टर्ड और अनअथॉराइज्ड निवेश स्कीम्स को रोकना भी है, जो अक्सर अवास्तविक हाई रिटर्न का वादा करते हैं और बेहतर यील्ड के लिए निवेशकों की अपेक्षाओं का फायदा उठाते हैं, जिससे संभावित फाइनैंशल रिस्क पैदा होते हैं।

आम MF से अलग कैसे?

नए असेट क्लास को लेकर यह भी कहा जा रहा है कि इसमें इन्वेस्टमेंट रणनीति ऐसी होंगी, जो अभी आम म्यूचुअल फंड में नहीं है। क्या यह रिटेल निवेशकों के लिए रिस्की हो सकता है? नुवामा वेल्थ के प्रमुख राहुल जैन का कहना है कि नया असेट क्लास अनरेगुलेडेट और अनऑथराइज्ड प्रोडक्ट्स का उपयोग करने की आवश्यकता को समाप्त करके निवेशकों को फायदा देगा। यह हाई नेटवर्थ लोगों के लिए भी अच्छा विकल्प होगा, क्योंकि इसमें लॉन्ग-शॉर्ट और इनवर्स एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड जैसी रणनीति का लाभ उठाने का एक अवसर मिलेगा।

ज्यादा रिस्की तो नहीं?

फाइनैंशल प्लानर कार्तिक झवेरी का कहना है कि पहली नजर में यह थोड़े रिस्की लगते हैं, लेकिन अगर ऐसा होगा तो भी इन्हें लाने से पहले रेगुलेटर द्वारा इनका विस्तार से विवरण दिया जाना आवश्यक हो सकता है। अभी तक के स्ट्रक्चर में यह ज्यादा रिस्की नहीं लगता है। हालांकि बाजार से जुड़े जो रिस्क हैं, वह तो सभी में है।

चीन को धूल चटाने वाला है भारत, यहां खतरे में नंबर 1 की कुर्सी... यह इंडेक्स दे रहा संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में भारत का दबदबा बढ़ रहा है। अगस्त 2024 तक इंडेक्स में भारत का वेटेज 19.9% तक पहुंच गया है। यह चीन के 24.42% के करीब है। भारत की आर्थिक तरक्की और बाजार में तेजी ने यह उपलब्धि हासिल कराई है। एमएससीआई एमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स 24 उभरते बाजारों (EM) की बड़ी और मझोली कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इस इंडेक्स में 1,328 कंपनियां शामिल हैं।

इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स 24 देशों में से प्रत्येक में लगभग 85% फ्री फ्लोट-एडजस्टेड मार्केट कैपिटलाइजेशन को कवर करता है। अगस्त 2024 तक MSCI EM इंडेक्स में शीर्ष 5 देशों का वेटेज लगभग 80% था। चीन 24.42% के साथ सबसे आगे है। उसके बाद भारत 19.9% के साथ दूसरे नंबर पर है। फिर ताइवान (18.77%), कोरिया (11.67%) और ब्राजील (4.50%) हैं। बाकी 19 देशों का कुल वेटेज 20.73% है।

2020 में चीन का था दबदबा

2020 में लगभग 40% वेटेज के साथ चीन का दबदबा था। लेकिन, भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण चीन का वेटेज कम होता जा रहा है। MSCI के मानदंडों को पूरा करने में चीनी कंपनियों की अक्षमता, जैसे कि मार्केट कैपिटलाइजेशन और न्यूनतम फ्री फ्लोट आवश्यकताएं, इसके पीछे एक कारण है।

दूसरी ओर, भारत का वेटेज बढ़ रहा है। इसकी वजह तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 7-8% की वृद्धि दर के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। आईटी और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में सेवा क्षेत्र का विकास भारत की अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख कैटेलिस्ट है। भारत की दो-तिहाई कामकाजी आबादी युवा है, जो एक सस्ता और गतिशील श्रम बल प्रदान करती है।

भारत ने की है दमदार वापसी

कोरोना के बाद भारतीय बाजारों ने मजबूत वापसी की है। अन्य EM देशों की तुलना में उसने बेहतर रिटर्न दिया है। बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 ने इस साल (सितंबर तक) 17.35% का रिटर्न दिया। पिछले पांच वर्षों में निफ्टी 50 का 2020 में 14.9%, 2021 में 24.12%, 2022 में 4.32% और 2023 में 19.42% का वार्षिक रिटर्न रहा है।

भारतीय कंपनियों में विदेशी स्वामित्व की सीमा में सेबी की ढील और भारतीय बाजार में IPOs में बढ़ोतरी ने भी MSCI EM इंडेक्स में भारत के ज्यादा वेटेज में योगदान दिया है। 2023 में 243 कंपनियां अपने IPO लाईं। ये भारतीय एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हुईं। 2024 में IPO की रफ्तार जारी है। आने वाले महीनों में कई बड़ी और छोटी कंपनियों के IPO की योजना है।

इस सूची में ऑटो दिग्गज हुंडई मोटर इंडिया का 25,000 करोड़ रुपये का IPO, क्विक कॉमर्स फूड डिलीवरी कंपनी Swiggy का 3,750 करोड़ का IPO और Zomato का 9,000 करोड़ का IPO और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी NTPC ग्रीन का 10,000 करोड़ का IPO शामिल है। इससे बाजार में नकदी और कारोबार की मात्रा बढ़ेगी। इससे भविष्य में MSCI EM इंडेक्स में भारत का वेटेज बढ़ेगा।

इजराइल ने लेबनान पर किया हमला, तीन एयर स्ट्राइक की, आसमान में छाया धुआं

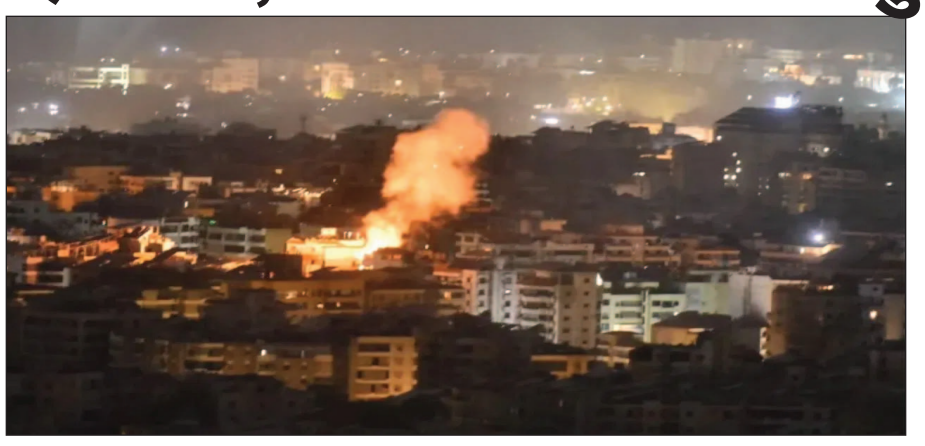

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर एक बार फिर एयर स्ट्राइक की। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बेरूत में हुई एयर स्ट्राइक की जिम्मेदारी ली। आईडीएफ ने कहा, अब वो लेबनान में बेरूत को निशाना बना रहे हैं। इजराइली मीडिया के मुताबिक, बेरूत में एक के एक बाद एक तीन बड़े विस्फोट हुए। यह विस्फोट दक्षिणी बेरूत में हुए।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि पिछले 24 घंटों में लेबनान पर इजराइल ने जो हमले किए उन में 46 लोग मारे गए हैं। साथ ही जानकारी दी गई है कि इन हमलों में 85 लोग घायल भी हुए हैं। लेबनान के अधिकारियों का कहना है कि पिछले दो हफ्तों में 1,000 से अधिक लोग इजराइल के हमलों में मारे गए हैं, जबकि लगभग दस लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं।

ईरान ने किया था इजराइल पर हमला

ईरान ने मंगलवार को इजराइल पर हमला किया। ईरान ने इस हमले में इजराइल पर 200 बैलिस्टिक मिसाइल से अटैक किया। ईरान ने पहले देश में आतंकवादी हमला किया जिसके बाद मिसाइल दागना शुरू किया। ईरान के अटैक के बाद इजराइल में नागरिकों को अलर्ट करने के लिए सायरन बजने लगे। इस हमले के बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी, जो हम पर हमला करेगा हम उस पर हमला करेंगे।

इजराइल ने की लेबनान पर स्ट्राइक

इजराइल ने लेबनान पर 28 सितंबर को भी जोरदार हमला किया था। इजराइल ने लेबनान में मौजूद हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर अटैक किया था। इस हमले में लेबनान में काफी तबाही मची। इस अटैक में इजराइल ने हिजबुल्लाह के चीफ नसरल्लाह को मार दिया था।

नसरल्लाह की मौत के बाद ही ईरान ने इजराइल पर यह एक्शन लिया। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया था कि उसने तेल अवीव के पास तीन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी ने दावा किया था कि इजराइल ने हमास के चीफ इस्माइल हानिया, ईरानी ब्रिगेडियर जनरल अब्बास निलफोरोशान और हिजबुल्लाह के चीफ सैय्यद हसन नसरल्लाह की हत्या कर दी थी,जिसका बदला लेने के लिए यह हमला किया गया था।

शहबाज शरीफ की जाकिर नाइक से मुलाकात, मलेशियाई पीएम भी पहुंचे पाकिस्तान, कट्टरपंथ का बना ऐसा गठजोड़!

इस्लामाबाद, एजेंसी। विवादों में रहने वाले इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक ने बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। शहबाज ने उनके लेक्चर की तारीफ की और कहा कि उनकी स्पीच काफी प्रैक्टिकल और असरदार होती हैं। मनी लॉन्ड्रिंग और नफरत भरे भाषणों के जरिए उग्रवाद भड़काने के आरोप में भारत में वांछित जाकिर नाइक ने 2016 में भारत छोड़ दिया था। उन्हें महाथिर मोहम्मद के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने मलेशिया में स्थायी निवास की इजाजत दी थी।

एक्स पर एक पोस्ट में जाकिर नाइक ने लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की। उन्होंने पीएम के साथ अपनी एक तस्वीर भी एक्स पर पोस्ट की। शरीफ ने नाइक से कहा, "इस्लाम शांति का धर्म है और आप लोगों के बीच इस्लाम का सच्चा संदेश फैलाकर एक अहम फर्ज निभा रहे हैं।" शहबाज शरीफ ने कहा कि नाइक की स्पीच काफी प्रैक्टिकल और असरदार होती हैं और युवा दर्शकों के बीच उनके काफी फॉलोअर्स हैं।

पाकिस्तान की एक महीने की यात्रा

नाइक सरकार के निमंत्रण पर एक महीने की लंबी यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे हैं, इस दौरान वह कराची, इस्लामाबाद और लाहौर समेत कई शहरों में अपनी स्पीच देंगे। तीस सालों में जाकिर नाइक की यह पहली पाकिस्तान यात्रा है। इससे पहले और आखिरी बार वह साल 1992 में पाकिस्तान गए थे। यही नहीं जाकिर नाइक के पीछे मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम भी पाकिस्तान पहुंचे।

पाकिस्तान में मिली z प्लस सिक्योरिटी

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भी आज तीन दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे। उनकी यह यात्रा तब हो रही है, जब मलेशिया में शरण लेने वाले कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक भी पाकिस्तान के दौरे पर हैं। जाकिर नाइक को पाकिस्तान में जेड प्लस जैसी सिक्योरिटी दी गई है। उनकी सुरक्षा में पाकिस्तान रेंजर्स की टुकड़ी को भी तैनात किया गया है।

मलेशिया पीएम और जाकिर नाइक

अनवर इब्राहिम अगस्त में राजकीय दौरे पर भारत आए थे। इस दौरान जब जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण पर उनसे सवाल पूछा गया था तो इब्राहिम ने सबूतों की बात कही थी। हालांकि, जाकिर नाइक के साथ अनवर इब्राहिम की दोस्ती जगजाहिर है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भी कट्टर इस्लामी नेता हैं। वह प्रधानमंत्री बनने के बाद एक हिंदू युवक को मुसलमान बनाने को लेकर विवादों में भी घिरे थे। इब्राहिम मलेशिया में कई रैलियों और कार्यक्रमों के दौरान जाकिर नाइक के साथ मंच शेयर कर चुके हैं।

इजराइल को बाइडेन कर रहे पूरा समर्थन, लेकिन इस एक चीज में कदम किए पीछे

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने इजराइल पर मंगलवार को बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस हमले में ईरान ने 180 से ज्यादा मिसाइल इजराइल पर दागी। ईरान के इस अटैक के बाद से ही पूरी दुनिया में हल चल मच गई है। इस अटैक के बाद जहां प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक्शन मोड में आ गए हैं। वहीं, सभी देश भी एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं।

ईरान के इजराइल पर किए गए हमले के तुरंत बाद ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस अटैक की निंदा की। साथ ही उन्होंने कहा था कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी और हमारा इजराइल को पूरा समर्थन है। इस अटैक के बाद उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी ईरान की निंदा की थी। एक तरफ जहां राष्ट्रपति बाइडेन लगातार इजराइल को ईरान के अटैक को लेकर समर्थन कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ बाइडेन ने इस एक चीज पर अपने कदम पीछे ले लिए हैं। दरअसल, बुधवार को इन हमलों को देखते हुए जी-7 की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई। इस मीटिंग में राष्ट्रपति बाइडेन ने इजराइल को ईरान के हमले के जवाब में उसके परमाणु स्थलों पर किसी भी तरह का अटैक करने का विरोध किया।

बाइडेन ने कहा, अमेरिका इजराइल का पूरी तरह समर्थन करता है। जी-7 की मीटिंग के बाद बाइडेन ने कहा, हम सभी सात देश सहमत हैं कि इजराइल को ईरान के इस अटैक के खिलाफ एक्शन लेने का अधिकार है लेकिन उनका जवाबी हमला प्रोपोरशनल होना चाहिए। जी-7 देशों में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान और अमेरिका शामिल है।

इस बैठक में यह भी चर्चा हुई कि ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। राष्ट्रपति बाइडेन इस बात को समझ रहे हैं कि इजराइल अगर ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाता है तो न सिर्फ ईरान बल्कि मिडिल ईस्ट में तबाही मच जाएगी। ईरान के अटैक के बाद बाइडेन ने ईरान का समर्थन करते हुए कहा था कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। साथ ही उन्होंने अमेरिका की सेना को ईरान की मिसाइल को रोकने के आदेश भी दिए थे। बाइडेन ने कहा था कि ईरान का हमला बेअसर रहा। इजराइल को इससे नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि इजराइल के एडवांस एयर स्पेस सिस्टम ने ईरान की मिसाइलों को हवा में ही ढेर कर दिया।

राष्ट्रपति बाइडेन ने किया हेलेना तूफान से प्रभावित इलाकों का दौरा, एक हजार सैनिक किए तैनात

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका के चार राज्य फ्लोरिडा, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना भयंकर तूफान का सामना कर रहे हैं। इसी के चलते देश के राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को तूफान से प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर गए। बाइडेन साउथ कैरोलिना और नॉर्थ कैरोलिना का दौरा करने पहुंचे, अपने इस दौरे के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने नॉर्थ कैरोलिना में लोगों की मदद के लिए फोर्ट लिबर्टी से 1 हजार सैनिकों को भेजा।

अपने इस दौरे के दौरान राष्ट्रपति बाइडेन ने हालातों का जायजा लिया। राष्ट्रपति ने 67 स्टारलिंक सेटेलाइट भी तैनात किए। इस तूफान में विदेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार तक 135 लोगों की मौत हुई। वहीं, कई घायल हो गए हैं और काफी लोगों का नुकसान हुआ। तूफान में घर के घर तबाह हो गए।

फेमा की टीम तैनात

राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा, फेमा टीमें लोगों को वित्तीय सहायता पहुंचाने के लिए उन तक पहुंच रही है। यह सीधी सहायता है जो आज से ही बैंक खातों में पहुंच रही है। साथ ही राष्ट्रपति ने कहा, फेमा टीम लोगों को रोजाना खाना और पानी पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर और ट्रक भेजना जारी रखेगा।

"लोग कर रहे एक दूसरे की मदद"

राष्ट्रपति बाइडेन ने बताया कि उन्होंने पहले क्षेत्र में नुकसान को मापने के लिए हेलीकॉप्टर से दौरा किया। नॉर्थ कैरोलिना के हालात देख कर उनको काफी दुख हुआ। उसके बाद उन्होंने बताया कि ग्राउंड पर हम ने देखा कि लोग इस मुश्किल के समय में भी एक दूसरे की मदद कर रहे हैं।

तूफान बन गया आसमानी आफत

इस तूफान के चलते अमेरिका के कुछ इलाकों में जमकर बारिश हुई और यह बारिश लोगों के लिए मुश्किल बनी और फिर आफत बन गई। इस तूफान के चलते इतनी बारिश हुई है कि 6 करोड़ ओलंपिक साइज के स्विमिंग पूल में पानी भरा जा सकता है। इस तबाही के चलते बुनियादी सारी जरूरतें ठप हो गई। बिजली, पानी, खाना सब लोगों तक पहुंचना मुश्किल हो गया।

'टीवी पर दिखने के लिए संसद में हल्ला गुल्ला करता है विपक्ष', भारत मंडपम में जमकर बरसे किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद में हंगामे पर चिंता जताते हुए कहा कि टीवी पर दिखने की चाहत में संसद में हल्ला गुल्ला हो रहा है। यह ठीक नहीं है। यही स्थिति समाज की भी है। वर्तमान में देश के सच्चे हीरो की जगह पर विपरित रूप से प्रभावित कर लोकप्रियता पाने वाले इंफ्लुएंसर के लाखों फालोवर्स हैं। सोचने वाली बात है कि हमारे हीरो कौन हों।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू भारत मंडपम में आयोजित संत ईश्वर सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजनीति के गिरते स्तर

का जिक्र करते हुए कहा कि आज अच्छे काम से वोट प्राप्त नहीं कर सकते हैं, क्योंकि समाज में अच्छे काम को मानने वाले भी कम रह गए हैं। समारोह में कला, साहित्य, पर्यावरण,स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दे रहे 17 गुमनाम साधकों के साथ ही कवि कुमार विश्वास को सम्मानित किया गया।

सीएम मोहन यादव रहे मौजूद

समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि संत ईश्वर जैसे कार्यक्रम का सहभागी होना सौभाग्य की बात है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि सेवा साधकों का सम्मान के इस अभियान से प्रारंभ से मेरा जुड़ाव रहा है, संत ईश्वर के प्रयासों को राम की सबरी, कृष्ण के सुदामा के साथ जोड़ते हुए भारतीय धर्म की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भारत की संस्कृति के सेवा भाव को जीवंत रखने का अनूठा और सफल प्रयोग किया है।

देश में धर्म राजधर्म से ऊपर- कुमार विश्वास

कवि कुमार विश्वास ने कहा कि जिस देश में धर्म राजधर्म से ऊपर होता है, वो देश सर्वश्रेष्ठ होता है, जिसका उदाहरण देश की संसद में संगोल का प्रतिष्ठित होना है।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव को मिली बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव (Sadhguru Case) को आज सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। इस मामले की सुनवाई 18 अक्टूबर को होगी।

दरअसल, एक रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट ने एक याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने शिकायत की थी कि आश्रम ने उनकी दो बेटियों बेटियों गीता (42) और लता (39) को ब्रेनवॉश कर रखा गया है।

हालांकि, ईशा फाउंडेशन का कहना है कि दोनों बहनें अपनी मर्जी से आश्रम में रह रहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने आज (3 अक्टूबर) इस मामले पर सुनवाई की।

पुलिस के आश्रम में दाखिल होने पर कोर्ट ने जताई चिंता

इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को कहा था कि तमिलनाडु पुलिस ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी आपराधिक मामलों की जांच करें और रिपोर्ट पेश करे। इसके बाद एक अक्टूबर को करीब 150 पुलिसकर्मी इस मामले की जांच करने आश्रम पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आश्रम में पुलिस की मौजूदगी पर सवाल खड़े किए। कोर्ट ने कहा कि पहली बात तो यह है कि आप इस तरह से पुलिस की एक टुकड़ी को परिसर में नहीं आने दे सकते। एक न्यायिक अधिकारी जाएंगे और दोनों लड़कियों से पूछताछ कर सकते हैं।

बता दें कि सुनवाई के दौरान दोनों बहनों में से एक वर्चुअल तौर पर कोर्ट में मौजूद थी। उसने दोहराया कि वे अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं। उसने आरोप लगाया कि उनके पिता पिछले आठ सालों से उन्हें परेशान कर रहे हैं।

मुडा मामले में ईडी के सामने पेश हुए शिकायतकर्ता कृष्णा, सबूत पेश करने के लिए किया गया था तलब

बंगलूरू, एजेंसी। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में शिकायत दर्ज करने वालों में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा जांच के संबंध में सबूत देने और रिकॉर्ड पेश करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी ने 30 सितंबर को मुडा द्वारा पार्वती बीएम को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ पुलिस की एफआईआर के समान प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी। ईडी ने 27 सितंबर को सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का संज्ञान लिया था। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए मैसूर स्थित आरटीआई कार्यकर्ता को जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया था। स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत के आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

मुश्किल में कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री, सावरकर के पोते करेंगे मानहानि का केस

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के वीर सावरकार को लेकर दिए बयान पर विवाद गहरा गया। सावरकर के पोते रंजित सावरकर ने इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सावरकर को बार-बार बदनाम करने की कांग्रेस की रणनीति है, खासकर जब चुनाव आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'पहले राहुल गांधी ऐसा कर रहे थे। वहीं अब उनके नेता बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस हिंदू समाज को जातियों में बांटकर चुनाव जीतना चाहती है। यह अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति की तरह है। सावरकर के बीफ खाने और गोहत्या का समर्थन करने का बयान गलत है। मैं उनके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराऊंगा।' उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी ने सावरकर की नीतियां अपनाई थीं। उन्होंने कभी गांधी या नेहरू की कोई नीति नहीं अपनाई।

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'इन लोगों की ऐसी जानकारी साबित करती है कि ये अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। अगर वे इस तरह की जानकारी देते रहेंगे तो समाज उन्हें गंभीरता से नहीं लेगा। उन्हें बेहतर होने और देश की महान हस्तियों के बारे में ज्ञान हासिल करने के लिए एक मानसिक संस्थान में जाना चाहिए।'

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'ये लोग सावरकर के बारे में कुछ नहीं जानते। बार-बार उनका अपमान करते हैं। सावरकर ने गाय पर अपनी राय बखूबी रखी है। उन्होंने कहा था कि किसान के जन्म से लेकर मरने तक गायों ने उनकी मदद की है। तो गाय को भगवान का दर्जा दिया गया है। राहुल गांधी ने सावरकर पर इस तरह के झूठे बयान देने का सिलसिला शुरू किया और मुझे लगता है कि वे इसे आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।'

बॉलीवुड के इन सितारों का हो चुका है भयंकर हादसों से सामना, बाल-बाल बची है जान

मंगलवार को एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अभिनेता गोविंदा खुद की ही रिवॉल्वर से गोली चलने की वजह से घायल हो गए। हालांकि, गोली उनके पैर में लगी और वह सुरक्षित है। ऐसे ही कई हादसे कुछ अन्य सितारों के साथ भी हो चुके हैं, जिसमें से ज्यादातर फिल्म की शूटिंग के दौरान स्टंट करते हुए और सड़क पर हुई दुर्घटना के चलते घायल हुए हैं। आइए आज उन कलाकारों के बारे में जानते हैं, जो कभी ना कभी, किसी ना किसी हादसे का शिकार हुए हैं और बाल-बाल बच के निकले हैं।

हेमा मालिनी

साल 2015 में अभिनेत्री हेमा मालिनी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस भयानक हादसे में हेमा बाल-बाल बची गई थीं। अभिनेत्री को काफी चोट भी आई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके चेहरे पर कई सारे टांके भी लगे थे।

शबाना आजमी

दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी की कार को मुंबई-पुणे एक्सप्रेस पर एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में अभिनेत्री गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उनके सिर और हाथ में चोटें आई थीं। हादसे के दौरान उनके पति जावेद अख्तर भी उनके साथ थे, हालांकि, उन्हें कोई चोट नहीं आई थी।

जॉन अब्राहम

बॉलीवुड के एक्शन स्टार कहे जाने वाले जॉन अब्राहम फिल्म 'पागलपंती' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए थे। अभिनेता एक एक्शन सीन करते हुए घायल हुए थे। इस हादसे में उनके हाथों में चोट लगी थी, हालांकि, यह चोट बहुत ज्यादा गंभीर नहीं थी और वह जल्दी ही ठीक भी हो गए थे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा भी इसी तरह के हादसे का शिकार हो चुके हैं। अपनी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें काफी चोट आई थी। यह चोट उन्हें एक एक्शन सीन शूट करते समय लगी थी। कहा जाता है कि वह बाइक चला रहे थे और संतुलन बिगड़ने के कारण फिसलकर चोटिल हो गए।

सोनू सूद

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद भी भयानक सड़क हादसे का शिकार होते-होते बचे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह वेस्टर्न एक्स्प्रेस हाईवे से गुजर रहे थे तभी उनकी कार में अचानक से आग लग गई। सोनू को जैसे ही इसकी खबर लगी उन्होंने तुरंत कार से कूदकर अपनी जान बचाई।

मैं कैंसर सर्वाइवर नहीं हूं, अभी भी इससे लड़ रही हूं...मनीष मल्होत्रा से ऐसा क्यों बोलीं हिना खान

हिना खान आज अपना 37वां जन्मदिन मना रही हैं। स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रहीं हिना खान दूसरों के लिए इंस्पिरेशन बन गई हैं। हिना के फैन्स उनके जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। हाल ही में हिना ने एक रैंप वॉक में हिस्सा लिया।

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रही हैं। इस समय वो ब्रेस्ट कैंसर स्टेज 3 से गुजर रही हैं। हालांकि, इतनी गंभीर बीमारी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। वो लगातार कीमोथेरेपी सेशन ले रही हैं और खुद को हर हाल में पॉजिटिव रखने की कोशिश कर रही हैं। इस दौरान वो ब्रांड कोलैबोरेशन के लिए भी शूट और रैंप वॉक भी कर रही हैं। हाल ही में हिना ने सेवा साहस संस्कृति (सेवा, साहस और विरासत) का जश्न मनाने के लिए नमो भारत कार्यक्रम में रैंप वॉक में हिस्सा लिया। इस शो को फैशन डिजाइनर, मनीष मल्होत्रा ने होस्ट किया था। शो में शामिल होने को लेकर हिना ने खुशी जाहिर की है।

रैंप वॉक में कई बॉलीवुड हस्तियां, कैंसर और 26/11 के सर्वाइवर्स ने भाग लिया। इन्हीं में से एक हिना खान भी थीं। हिना ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया "जब मनीष ने मुझे इस कार्यक्रम के लिए बुलाया, तो मैंने कहा कि मनीष मैं सर्वाइवर नहीं हूं। मैं अभी भी इससे लड़ रही हूं।"

मनीष मल्होत्रा ने हिना से कही ये बात

एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी इस बात पर मनीष ने कहा, "हिना आप इसे बहुत खूबसूरती से लड़ रहीं हैं, आपकी यात्रा बहुत प्रेरणादायक है हम आपको अपने साथ पाकर बहुत खुश होंगे। साथ ही लोगों के लिए आपकी यात्रा के बारे में जानना भी महत्वपूर्ण है, यही वजह है कि मैं इस नमो भारत पहल और टीम द्वारा आयोजित इस खूबसूरत कार्यक्रम का हिस्सा हूं।"

उन्होंने कहा, "यहां सभी से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी लड़ाई अभी भी जारी है और मैं इससे बहुत संघर्ष कर रही हूं और मुझे पता है कि लोगों का आशीर्वाद मेरे साथ है। मैं इस कार्यक्रम में सभी जीवित बचे लोगों से मिली और मुझे उनसे बहुत हिम्मत मिली। मैं यहां भारत की भावना का जश्न मनाने आई हूं और हम सभी को एक-दूसरे को सलाम करना चाहिए और एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना चाहिए। इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। आपको बस धैर्य और साहस रखना होगा।"

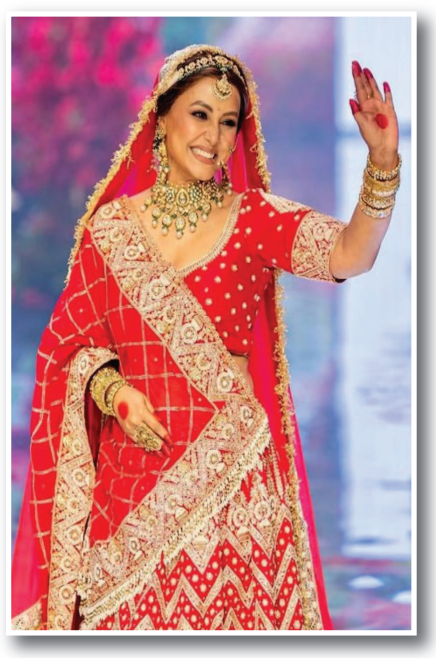

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com